RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 321 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 19-06-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 हॉकी स्टार मनप्रीत सिंह ने फिटनेस को दिया श्रेय
6 आखिरी आदमी की सांसों में बसा कर्मयोद्धा नेता
7 'कावाला' गाने में अपने काम से खुश नहीं तमन्ना भाटिया

फर्स्ट टेक

यूरोपीय यूनियन ने रूस से संपर्क करने की कोशिश की

ब्रसेल्स/एपी। यूरोपीय संघ (ईयू) ने रूस से संपर्क स्थापित करने की शुरुआती कोशिश की है, ताकि अगर यूक्रेन में युद्ध खत्म करने के लिए कोई बातचीत हो तो यूरोप को उससे बाहर न रखा जाए। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इस संघर्ष के बीच ईयू रूस के साथ फिर से बातचीत शुरू करने की कोशिश कर रहा है, जबकि वह यूक्रेन को अपना पूरा समर्थन भी दे रहा है। वहीं, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूरोप और यूक्रेन को किनारे रखकर केवल अमेरिका के साथ यूक्रेन के भविष्य पर बातचीत करने की कोशिश की है।

सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बचे ओडिशा के मंत्री मुकेश महालिंग

क्योंझर (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग बृहस्पतिवार को उस समय बाल-बाल बच गए, जब उनकी कार क्योंझर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-49 पर उनके काफिले के पायलट वाहन से टकरा गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह दुर्घटना तेलकोई थाना क्षेत्र के जगमोहन चौराहे के पास उस समय हुई, जब मंत्री संबलपुर से मयूरभंज जा रहे थे। वह शुक्रवार को रायरांगपुर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यक्रम में शामिल होने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि मंत्री के काफिले की पायलट कार ने अचानक ब्रेक लगा दिया, जिससे उसके ठीक पीछे चल रहा महालिंग का वाहन उससे टकरा गया।

रणथंभौर एक्सप्रेस के ब्रेक जाम होने से पहियों से धुआं निकला

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश के रतलाम जिले में बृहस्पतिवार को इंदौर-जोधपुर रणथंभौर एक्सप्रेस के जनरल कोच के पहियों के ब्रेक जाम होने से घर्षण के कारण धुआं निकला और रेलवे कर्मचारियों ने अग्निशामक यंत्र की मदद से स्थिति को नियंत्रित किया। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घटना के दौरान ट्रेन में सवार सभी यात्री सुरक्षित रहे। घटना के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर आए हैं। इनमें ट्रेन के पहियों से गहरा सफेद धुआं निकलता दिखाई दे रहा है और अफरा-तफरी के बीच यात्री ट्रेन से बाहर निकलते नजर आ रहे हैं। रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि यह घटना कोटा मंडल के तहत आने वाले क्षेत्र में लूनी रिछा स्टेशन के पास हुई। उन्होंने कहा, इंदौर-जोधपुर रणथंभौर एक्सप्रेस (12465) के जनरल कोच के पहियों का 'ब्रेक ब्लॉक' जाम हो जाने से घर्षण के कारण धुआं निकला। यह आग लगने की घटना नहीं थी।

19-06-2026 सूर्यास्त 6:37 बजे	20-06-2026 सूर्योदय 5:43 बजे
BSE 77,409.98 (+254.36)	NSE 24,168.00 (+82.30)
सोना 15,395 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 256,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कौन दलित

है संविधान में सब समान
फिर कौन दलित कैसे बोलो।
इतिहासों के पन्नों को पढ़,
ना वर्तमान में विष घोलो।
समरसता के सद्भावों को,
ना राजनीति से अब तोलो।
आने दो खुली हवाओं को,
इन बंद खिड़कियों को खोलो।।

दुनिया के लिए 'भरोसेमंद साझेदार' के तौर पर उभर रहा भारत : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत दुनिया के लिए एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में उभर रहा है और इस बात पर जोर दिया कि देश ऐसे क्षेत्रों में निवेश कर रहा है जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रगति, नवाचार और अवसरों को बढ़ाएंगे।

फ्रांस की राजधानी पेरिस में भारतवंशियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह भारत की विकास यात्रा का एक निर्णायक दौर है, जिसमें आकांक्षाएं नयी ऊंचाइयों को छू रही हैं। पेरिस के सबसे बड़े इनडोर सभागारों में से एक 'साल प्लेएल' में आयोजित कार्यक्रम में मोदी ने कहा, एक समय था जब देशों के बीच संबंध केवल व्यापार के आधार पर तय होते थे, लेकिन आज व्यापार के साथ-साथ विश्वास भी उतना ही महत्वपूर्ण हो गया है। उन्होंने कहा, हर देश एक विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला चाहता है। हर देश एक स्थिर साझेदारी चाहता है। हर देश ऐसे साझेदारों की तलाश में है जिन पर लंबे समय तक भरोसा किया जा सके। ऐसे समय में भारत दुनिया में विश्वसनीय साझेदार के रूप में उभर रहा है।

मोदी ने कहा कि एवियॉन में जी7 की बैठक में उन्होंने भरोसे पर आधारित साझेदारियों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, जी-7 शिखर सम्मेलन में भारत का संदेश साफ़ था: 'ग्लोबल गवर्नेंस' तभी असरदार होगा जब वह सबको साथ लेकर चलने वाला हो; वैश्विक प्रगति तभी टिकाऊ होगी जब उसका फायदा सबको मिले और तकनीक से मानवता को तभी सही मायने में फायदा होगा जब वह भरोसेमंद हो।

कर्नाटक में सात सीटों पर एमएलसी चुनाव

कांग्रेस ने पांच और भाजपा ने दो सीट जीतीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में डी के शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली चुनावी लड़ाई में, सत्तारूढ़ कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को विधान परिषद की सात सीटों में से पांच पर जीत हासिल की, जबकि विपक्षी भाजपा ने दो सीट जीतीं। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा और जनता दल (एस) दोनों ही दलों के विधायकों की ओर से 'क्रॉस-वोटिंग' की गई, क्योंकि कांग्रेस उम्मीदवारों को उम्मीद से ज्यादा वोट मिले। कर्नाटक विधानसभा के सदस्यों ने विधान सौधा में हुए चुनाव में मतदान किया। सात सीटों के चुनाव में आठ उम्मीदवार मैदान में थे।

चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों में कांग्रेस के थिप्पन्नप्पा कामकनूर, पी. वी. मोहन, बी. के. हरिप्रसाद (प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष), शिवन्ना बी एस, और विनय कार्तिक प्रकाश तथा भाजपा के लिंगराज पाटिल और रघु आर और जद (एस) के गोविंदराजू शामिल हैं। कांग्रेस के पांचों उम्मीदवारों और भाजपा के दोनों उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की जबकि जद(एस) के गोविंदराजू को हार का सामना करना पड़ा। यह चुनाव कराने की इसलिए जरूरत पड़ी क्योंकि विधान परिषद के सात सदस्यों का कार्यकाल 30 जून को समाप्त होने वाला है। इनमें कांग्रेस के नसीर अहमद, टिप्पन्नाप्पा और बी. के. हरिप्रसाद, भाजपा के एन. नागराजू (एमटीबी), प्रताप एस. नायक के. और सुनील वल्लयापुर तथा जद (एस) के गोविंदराजू शामिल हैं।

महालक्ष्मी अर्बन को-ऑपरेटिव क्रेडिट बैंक का लाइसेंस निरस्त

मुंबई/बेंगलूरु। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कर्नाटक स्थित श्री महालक्ष्मी अर्बन को-ऑपरेटिव क्रेडिट बैंक का लाइसेंस उसकी खराब वित्तीय स्थिति के कारण निरस्त कर दिया है। आरबीआई ने बृहस्पतिवार को जारी बयान में कहा कि उसने कर्नाटक की सहकारी समितियों के पंजीयक से इस शहरी सहकारी बैंक को बंद करने और एक परिसमापक नियुक्त करने का अनुरोध किया है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि परिसमापन की स्थिति में करीब 97.9 प्रतिशत जमाकर्ताओं को उनकी समूची जमा राशि 'जमा बीमा एवं ऋण गारंटी निगम' (डीआईसीजीसी) से मिल जाएगी। रिजर्व बैंक ने लाइसेंस रद्द करने की वजह बताते हुए कहा कि बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और आय की संभावनाएं नहीं हैं और वह बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के कुछ प्रावधानों का अनुपालन नहीं कर रहा है। आरबीआई के अनुसार, मौजूदा वित्तीय स्थिति में बैंक अपने जमाकर्ताओं को पूरी राशि लौटाने में सक्षम नहीं होगा और इसका संचालन जारी रहना जमाकर्ताओं के हितों के प्रतिकूल होगा। लाइसेंस रद्द होने के बाद कर्नाटक के गोकाक स्थित इस बैंक को बृहस्पतिवार से 'बैंकिंग' कारोबार करने से रोक दिया गया है।

पूजा-अर्चना

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु गुरुवार को मध्य प्रदेश के इंदौर जिले स्थित ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के दर्शन के दौरान पूजा-अर्चना करती हुईं। इस अवसर पर उन्होंने देश की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की।

राहुल गांधी ने पेपर लीक के खिलाफ शुरू किया ऑनलाइन हस्ताक्षर अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पेपर लीक, परीक्षाओं में धांधली और महंगी फीस के खिलाफ बृहस्पतिवार को ऑनलाइन हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की और लोगों से इसके समर्थन का आह्वान किया।

राहुल गांधी इन विषयों को लेकर इन दिनों 'छात्रों की गूंज' मुहिम चला रहे हैं जिसके तहत वह छात्र सम्मेलनों को संबोधित कर रहे हैं। इस तरह का पहला छात्र सम्मेलन बुधवार शाम राजस्थान के

कोटा में हुआ। इसके बाद 10 जुलाई को प्रयागराज, 11 जुलाई को पटना और 14 जुलाई को दिल्ली में छात्र सम्मेलन का आयोजन होगा।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने इसी क्रम में अब अपनी वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन याचिका पर हस्ताक्षर का अभियान शुरू किया है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''अगर आपने पेपर लीक, परीक्षा में धांधली, या महंगी फीस का दर्द झेला है, अगर इस व्यवस्था ने आपके सपने तोड़े हैं, अगर आपके परिवार ने आपकी पढ़ाई के लिए जीवनभर की कमाई लगा दी है तो सुनिए: 'छात्रों की गूंज' आपकी आवाज़ है।'' उन्होंने कहा, ''यह सिर्फ़ एक अभियान नहीं, यह आपकी मांग को सरकार तक पहुंचाने का ज़रिया है।''

राहुल गांधी ने इस याचिका का लिंक साझा करते हुए लोगों से इस पर हस्ताक्षर करने की अपील की।

उनका कहना है, ''आपका एक हस्ताक्षर इस लड़ाई को ताक़त देगा। जितने ज़्यादा नाम, उतनी बुलंद गूंज।''

प्राकृतिक खेती एक स्वस्थ समाज की नींव रख सकती है : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कानपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्राकृतिक खेती एक स्वस्थ समाज की नींव रख सकती है, क्योंकि इससे रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल के कारण होने वाली बीमारियों से बचाव में मदद मिल सकती है।

योगी कानपुर में आयोजित 'प्राकृतिक खेती कार्यशाला 2026' को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वाले किसानों को भी सम्मानित किया।

योगी ने कहा कि 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने के लक्ष्यों में बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित करना और बीमारियों का खतरा घटाना शामिल है, जिसमें प्राकृतिक खेती अहम भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल के कारण गुर्दे से संबंधित बीमारियों सहित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं में वृद्धि हुई है।

योगी ने कहा, 30 साल पहले किडनी रोग के मामले बहुत कम थे। आज हर इलाके में दो या तीन किडनी रोगी मिल सकते हैं। कुछ डायलिसिस पर हैं और कुछ को प्रत्यारोपण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि 'लिवर सिरोसिस' के मामलों के अलावा उच्च रक्तचाप और मधुमेह से पीड़ित मरीजों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने गोरक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि कई लोग गाय का दूध पीते हैं, लेकिन बाद में गायों को सड़कों पर छोड़ देते हैं। जब ये आवारा पशु, फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं तो वही लोग सरकार पर आरोप लगाते हैं। उन्होंने कहा, गाय आधारित प्राकृतिक खेती ना केवल कृषि को मजबूती देती है, बल्कि पशु के कल्याण में भी योगदान करती है।

गोरक्षा को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह इस राज्य का संकल्प और भारत के सांस्कृतिक मूल्यों का हिस्सा भी है कि गायों को कटने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''हम किसी को भी इस देश की सुरक्षा के साथ समझौता करने नहीं देंगे। सनातन धर्म को मानने वालों के लिए गाय पवित्र है और इसे परिवार का सदस्य माना जाता है।

नई हज नीति की जल्द घोषणा करेंगे : रीजीजू

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बृहस्पतिवार को कहा कि हाल ही में संपन्न हुआ वर्ष 2026 का हज हिंदुस्तान के इतिहास में सबसे शानदार हज था जिसके लिए बड़ी संख्या में हाजियों ने सरकार का धन्यवाद किया है। उन्होंने 2027 के हज के लिए बुलाई गई समीक्षा बैठक के बाद यह भी बताया कि नई हज नीति की घोषणा अगले कुछ दिनों में की जाएगी। रीजीजू ने यह भी कहा कि हज की पूरी प्रक्रिया को एआई ऐप्लीकेशन से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा, ''इस साल का हज हिंदुस्तान के इतिहास का सबसे शानदार हज था। हजारों की संख्या में हाजियों ने सरकार का शुक्रिया अदा किया है...इस शानदार हज के कारण भारत को दो पुरस्कार मिले हैं।'' उनका कहना था, ''1.75 लाख हाजियों का फीडबैक अच्छा रहा...सब काम समय पर हुआ। पहली बार 'शॉर्ट ड्यूरेशन हज' की शुरुआत की गई और इसके लिए 10 हजार का कोटा रखा था।

मानवता को करुणा और अहिंसा का मार्ग दिखाते हैं भगवान महावीर के विचार : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बृहस्पतिवार को कहा कि भगवान महावीर के विचार मानवता को शांति, आत्मसंयम, करुणा और अहिंसा का मार्ग दिखाते हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष बिरला और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित आचार्य पदारोहण और सहस्त्रावधान तपस्या महोत्सव में शामिल हुए।

दोनों अतिथियों ने आचार्य पद पर प्रतिष्ठित हो रहे विनयकुशल मुनि महाराज को नमन किया। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर और जैन दर्शन के सिद्धांत आज भी मानवता को शांति, आत्मसंयम, करुणा और अहिंसा का मार्ग दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जब विश्व तनाव और संघर्षों से जूझ रहा है, तब जैन दर्शन की शिक्षाएं और अधिक प्रासंगिक हो गई हैं।

बिरला ने कहा कि विनयकुशल मुनि जी महाराज का आचार्य पदारोहण संपूर्ण जैन समाज के लिए गौरव का क्षण है।

अमेरिका, ईरान ने प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर किए

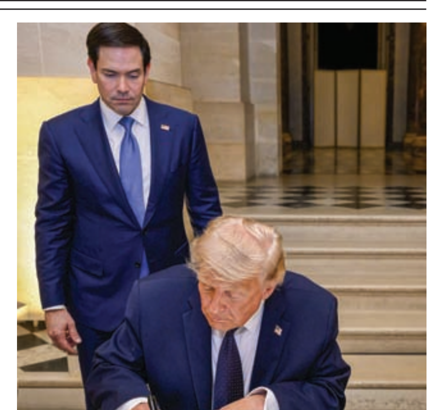

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ बुधवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत तेहरान अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम के अपने भंडार में संवर्धन का स्तर कम करेगा और इसके बदले उसे अमेरिकी प्रतिबंधों से छूट दी जाएगी जिससे ईरान बिना किसी रोक के अपना तेल बेच सकेगा। अमेरिका और ईरान ने यह जानकारी दी।

समझौते की मध्यस्थता करने वाले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि दोनों देशों के नेताओं द्वारा हस्ताक्षर करने के बाद युद्ध समाप्त करने संबंधी यह प्रारंभिक समझौता ''तत्काल प्रभाव'' से लागू हो गया है। समझौते में संघर्ष स्थायी रूप से समाप्त करने का आह्वान किया गया है। इसके साथ ही ईरान के परमाणु कार्यक्रम के भविष्य को लेकर अंतिम समझौते तक पहुंचने के लिए 60 दिन की वार्ता अवधि शुरू हो गई है। हालांकि, ट्रंप ने दोबारा हमले करने का विकल्प खुला रखा है। ऐसा प्रतीत होता है कि समझौते के तहत ईरान को शुरुआत में ही कई बड़े लाभ दिए गए हैं, जबकि बदले में उससे बहुत कम हासिल किया गया है।

यह समझौता कई दिनों से गोपनीयता और भ्रम की स्थिति में घिरा रहा था। अमेरिकी अधिकारियों ने सप्ताहांत में ट्रंप और उपराष्ट्रपति जे. डी. वेंस द्वारा इस समझौते पर डिजिटल हस्ताक्षर किए जाने की जानकारी देने के बाद भी इसकी शर्तों का खुलासा करने से इनकार कर दिया था। ट्रंप ने बुधवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ वर्साय महल में रात्रिभोज के दौरान समझौते की कागजी प्रति पर हस्ताक्षर किए। वर्साय में पहले भी युद्ध या क्षेत्रीय विवाद समाप्त करने वाले कई ऐतिहासिक समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में हस्ताक्षर समारोह आयोजित करने की योजना बनाई थी लेकिन अमेरिका, ईरान और पाकिस्तान की ओर से परस्पर विरोधी जानकारी सामने आने के बाद अब यह स्पष्ट नहीं है कि समारोह होगा या नहीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस में प्रमुख कंपनियों के सीईओ से मुलाकात की, निवेश पर चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कई कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात कर भारत में निवेश अवसरों और विस्तार योजनाओं पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री से मुलाकात करने वाले मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों से संबंधित हैं। इनमें टिकाऊ निर्माण, परिवहन और कृत्रिम मेधा (एआई) क्षेत्र शामिल हैं। फ्रांस की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले दो दिनों में जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित कई विश्व नेताओं के साथ बातचीत की। प्रधानमंत्री से बृहस्पतिवार को पेरिस में मिलने वालों में सीएमए सीजीएम के चेयरमैन एवं सीईओ रोडोल्फ सादे शामिल थे, जिनके साथ समुद्री परिवहन, लॉजिस्टिक और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर केंद्रित चर्चा हुई। सादे ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हमने विकास से जुड़े वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की, जिन्हें हम अंततः भारत में लागू कर सकते हैं। हमने जहाज विनिर्माण, जहाज पुनर्चक्रण, गहरे समुद्री बंदरगाहों के साथ-साथ कंटेनर विनिर्माण पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि फ्रांस और भारत के पास सहयोग जारी रखने और नए साझेदारियां बनाने की बहुत संभावनाएं हैं। हमारी ओर से हम भारत के साथ साझेदारी को बहुत अच्छा मानते हैं और मेरा मानना है कि शिपिंग और लॉजिस्टिक के क्षेत्र में हम और अधिक काम कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, मेरा मानना है कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारत की बड़ी भूमिका है। अब हम भारत में कंटेनर जहाज बनाने की स्थिति में हैं, जो निश्चित रूप से एक सकारात्मक कदम है। भारत का भविष्य अब आकार ले रहा है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने समूह की भारत में मजबूत और निरंतर बढ़ती उपस्थिति को रेखांकित किया। विदेश मंत्रालय ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री ने सेंट-गोबेन के चेयरमैन एवं सीईओ बेनोआ बाजिन से मुलाकात की। इस दौरान निर्माण सामग्री क्षेत्र में अवसरों पर चर्चा हुई, जिसमें विशेष रूप से टिकाऊपन पर खास जोर दिया गया।

आईसीजी ने समुद्री क्षमता बढ़ाने के लिए स्वदेशी रूप से निर्मित 'हॉवरक्राफ्ट' को बेड़े में शामिल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के लिए एक कंपनी द्वारा बनाए जा रहे छह 'हॉवरक्राफ्ट' में से पहले हॉवरक्राफ्ट को बृहस्पतिवार को सेवा में शामिल कर लिया गया।

अधिकारियों ने कहा कि इससे आईसीजी की समुद्री क्षमता बढ़ेगी और वह नई चुनौतियों का बेहतर तरीके से सामना कर सकेगा। हॉवरक्राफ्ट एक ऐसा वाहन होता है जो जमीन, पानी, कीचड़, बर्फ या दलदली इलाके की सतह से थोड़ा ऊपर हवा से भरे कुशन (एयर कुशन) पर तैरते हुए चलता है।

अधिकारियों ने बताया कि यह एयर कुशन व्हीकल (एसीवी) भारत में डिजाइन और निर्मित किया गया है जो देश के समुद्री उद्योग की बढ़ती ताकत को दर्शाता है। आईसीजी ने कहा कि तटरक्षक बल की क्षमता मजबूत करने और 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के तहत गोवा में स्थित चौगुले एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्वदेशी रूप से निर्मित पहले एसीवी एच-561 को 18 जून को सेवा में शामिल किया गया।आईसीजी ने कहा, इस हॉवरक्राफ्ट को इसलिए बनाया गया है ताकि तटरक्षक बल समुद्र में अपनी जिम्मेदारियां और बेहतर तरीके से निभा सके और नई चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना कर सके। इसे बेड़े में शामिल किए जाने से 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को मजबूती मिलेगी और यह देश के समुद्री उद्योग की बढ़ती क्षमता को भी दिखाता है।

टेलीग्राम का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों और लीक प्रश्नपत्रों के प्रसार में हो रहा : केंद्र की दलील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने नीट-यूजी से पहले टेलीग्राम को अस्थायी रूप से प्रतिबंधित करने के अपने फैसले का बचाव करते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय में दलील दी कि इस मैसेजिंग एप्लिकेशन का इस्तेमाल साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी से लेकर आतंकवाद और लीक प्रश्नपत्रों को प्रसारित करने जैसी गैर-कानूनी गतिविधियों के लिए किया जा रहा है।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में सेवारत वैज्ञानिक मयंक ने चिकित्सा के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 21 जून को दोबारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) से पहले टेलीग्राम पर केंद्र द्वारा लगाई गई रोक के खिलाफ दाखिल याचिका के जवाब में हलफनामा के जरिये ये दलीलें दी। उन्होंने टेलीग्राम की ओर से दाखिल याचिका खारिज करने का अनुरोध किया।

भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए हलफनामे में कहा गया है कि यह ऐप साइबर अपराधियों के लिए पसंदीदा मंच बन गया है। वे गैर-कानूनी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए फर्जी खाता, छिपी हुई पहचान, चैनल और ग्रुप का इस्तेमाल करते हैं। इन गतिविधियों में वित्तीय धोखाधड़ी, वायरस प्रसारित करना, आंकड़ों में सेंध लगाना और लीक हुए प्रश्नपत्रों को प्रसारित करना शामिल है। हलफनामा में कहा गया है, ''टेलीग्राम का इस्तेमाल मादक पदार्थ तस्करी, साइबर अपराध, चरमपंथ, आतंकवाद, बच्चों के शोषण और साइबर धोखाधड़ी जैसी गैर-कानूनी गतिविधियों के लिए किया जा रहा है, और इसकी मुख्य वजह इसकी निजता नीति है।''

न्यायमूर्ति तेजस करिया की अवकाशकालीन पीठ दोबारा नीट-यूजी आयोजित करने से पहले टेलीग्राम ऐप तक पहुंच सीमित करने के फैसले के खिलाफ कंपनी की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई कर रही है। चिकित्सा के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए तीन मई को राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) आयोजित कराई गई थी जिसे प्रश्नपत्र लीक के आरोपों के बाद 12 मई को रद्द कर दिया गया। पूरे प्रकरण की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा की जा रही है। केंद्र की ओर से दाखिल हलफनामा में कहा गया, ''टेलीग्राम खतरनाक किरदारों को जोड़ने वाला नया 'डार्क वेब' बन गया है। अपराधियों ने तेज़ी से टेलीग्राम को अपनाया है ताकि वे ऐसे चैनल पर लिंक पोस्ट कर सकें जो जटिल लिंक के जरिए 'डार्क वेब' मंच से जुड़ते हैं। इससे अधिकारियों के लिए अपराधियों का पता लगाना और उनकी पहचान करना मुश्किल हो जाता है।''

सरकार ने अदालत को बताया कि हाल के वर्षों में राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर इस ऐप से जुड़ी धोखाधड़ी की शिकायतों में तेज़ी से बढ़ोतरी हुई है। उसने बताया कि अकेले 2025 में ही 3,086 करोड़ रुपए की कथित धोखाधड़ी से जुड़ी 2.75 लाख से ज़्यादा शिकायतें दर्ज की गईं।

एआई नवोन्मेषण में बेंगलूरु एशिया में दूसरे स्थान पर

बेंगलूरु। कृत्रिम मेधा (एआई) नवोन्मेषण को लेकर बेंगलूरु ने एशिया में दूसरा स्थान हासिल किया है, जबकि प्रदर्शन और अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) श्रेणी में उसने वैश्विक स्तर पर शीर्ष-10 में जगह बनाई है।

कर्नाटक सरकार ने वैश्विक स्टार्टअप परिवेश रिपोर्ट (जीएसईआर) 2026' के हवाले से यह जानकारी दी। 'स्टार्टअप इकोसिस्टम इंडेक्स' में दुनिया भर में 15वें स्थान पर रहने वाला बेंगलूरु, भारत के प्रमुख स्टार्टअप केंद्र के तौर पर अपनी मज़बूत जगह बनाए हुए है और इसके पारिस्थितिकी तंत्र का मूल्य 152.8 अरब अमेरिकी डॉलर है।

कर्नाटक सरकार और 'कर्नाटक डिजिटल इकॉनमी मिशन' (केडीईएम) ने वैश्विक नवाचार एवं स्टार्टअप अनुसंधान संगठन स्टार्टअप जीनोम के साथ साझेदारी में यह जानकारी साझा की। रिपोर्ट के प्रमुख निष्कर्ष फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित वीवाटेक' कार्यक्रम के दौरान जारी किए गए।

देश के विश्वविद्यालय नशा-मुक्त परिसर बनाने के लिए 'डीयू मॉडल' का अनुसरण करें : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने बृहस्पतिवार को देश भर के विश्वविद्यालयों से 'नशा-मुक्त परिसर अभियान' में सक्रिय रूप से शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) द्वारा इस दिशा में की गई पहल की सराहना की।

दिल्ली विश्वविद्यालय में एक बड़े नशा-मुक्त अभियान की सफलता का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने संस्थानों के प्रमुखों से छात्रों को प्रेरित करने और नशा-मुक्त भारत के दृष्टिकोण में योगदान देने का आह्वान किया। सोशल मीडिया पर उनकी यह अपील ऐसे समय में आई है जब यह अभियान जोर पकड़ रहा है। इस साल की शुरुआत में दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के तौर पर राधाकृष्णन ने आधिकारिक तौर पर 'नशा-मुक्त परिसर अभियान' और छात्रों को सीधे जोड़ने के लिए बनाए गए एक नए 'ई-प्लेज' मंच की शुरुआत की थी। अब तक की प्रगति से उम्मीद जताते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि डीयू ने 'नशा-मुक्त परिसर अभियान' के तहत एक बहुत बड़ा कदम उठाया है। विभिन्न परिसर में किए गए समन्वित प्रयासों के ज़रिए 53,000 से अधिक छात्रों ने नशीले पदार्थों के सेवन को छोड़ने और इस अभियान के एंबेसडर (दूत) के तौर पर काम करने का संकल्प लिया है।

नीट-यूजी की पुनः परीक्षा देने वाले छात्रों के लिए टीएसआरटीसी बसों में यात्रा होगी निःशुल्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। देशभर में 21 जून को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) की पुनः परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों को परीक्षा के दिन तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) की बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा होगी। तेलंगाना सरकार ने बृहस्पतिवार को यह निर्णय लिया है।

राज्य के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किए गए एक संदेश में कहा कि छात्र 21 जून को यात्रा के दौरान अपने नीट परीक्षा केंद्र का प्रवेश पत्र (हॉल टिकट) दिखा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में सड़क परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने 21 जून को होने वाली नीट-यूजी की पुनः परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा के लिए बृहस्पतिवार को शिक्षा मंत्रालय, राज्य सरकारों, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) और उच्च शिक्षण संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नीट-यूजी परीक्षा इस वर्ष तीन मई को आयोजित की गई थी, लेकिन प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों के बीच राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने 12 मई को इसे निरस्त कर दिया था। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) वर्तमान में इस मामले की जांच कर रहा है।

पूर्व प्रधानमंत्री के बेटे से 7.8 करोड़ रुपए की ऑनलाइन ठगी, पुलिस ने 4 करोड़ रु. 'फ्रीज' कराए

नई दिल्ली/भाषा। साइबर जालसाज़ों ने राज्यसभा के पूर्व सदस्य नरेश गुजराल की पहचान का इस्तेमाल कर ऑनलाइन 'मैसेजिंग एप्लिकेशन' के माध्यम से उनकी कंपनी के वित्तीय कर्मचारियों से 7.8 करोड़ रुपए की ठगी कर ली। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। नरेश गुजराल (78) पूर्व प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल के बेटे हैं। इंद्र कुमार गुजराल 1997 से 1998 तक भारत के 12वें प्रधानमंत्री रहे थे। दिल्ली पुलिस के पास मंगलवार को धोखाधड़ी के मामले में ई-प्राथमिकी दर्ज कराई गई, जिसके बाद जांच शुरू हुई।

पुलिस के अनुसार, यह धोखाधड़ी 12 से 16 जून के बीच हुई। इस दौरान, ठगों ने नरेश गुजराल की 'डिस्प्ले पिक्चर' (डीपी) का इस्तेमाल करके एक ऑनलाइन 'मैसेजिंग' मंच पर अकाउंट बनाया। इसके बाद जालसाज़ों ने उनके एक कर्मचारी को संदेश भेजकर कारोबारी जरूरतों का हवाला देते हुए एक निर्दिष्ट बैंक खाते में 'रियल-टाइम ग्रॉस सेटलमेंट' (आरटीजीएस) के माध्यम से तत्काल धनराशि हस्तांतरित करने का निर्देश दिया। पुलिस ने बताया कि निर्देशों को सही मानकर कर्मचारी ने चार दिनों में चार बार में आरटीजीएस के जरिए 7.8 करोड़ रुपए, बताए गए खाते में भेज दिए।

पर्यावरण संरक्षण, टिकाऊ विकास के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरतः गोवा के राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

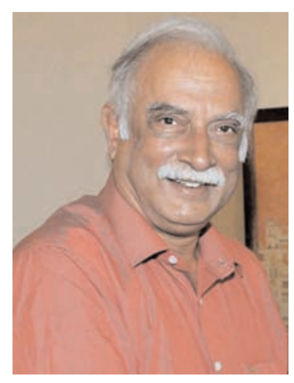

पणजी/भाषा। गोवा के राज्यपाल पी. अशोक गजपति राजू ने बृहस्पतिवार को कहा कि आजादी की लड़ाई को प्रेरित करने वाले देशभक्ति, जिम्मेदारी और सामाजिक सद्भाव के मूल्यों को राज्य का मार्गदर्शन करते रहने चाहिए, क्योंकि राज्य पर्यावरण संरक्षण, टिकाऊ विकास और प्रौद्योगिकीय प्रगति जैसी मौजूदा चुनौतियों का सामना कर रहा है।

यहां आजाद मैदान में गोवा क्रांति दिवस समारोह को संबोधित करते हुए, राज्यपाल ने कहा कि 18 जून राज्य के इतिहास में एक अहम मोड़ है, जब लोग भयमुक्त हुए और पुर्तगाली औपनिवेशिक शासन के खिलाफ आवाज उठाई। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत, विपक्ष के नेता यूरी अलेमाओ, केंद्रीय मंत्री श्रीपद नाइक, कई स्वतंत्रता सेनानी और गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

गोवा क्रांति दिवस 18 जून को मनाया जाता है। यह दिन 1946 में मडगांव में हुई एक जनसभा की याद में मनाया जाता है, जिसमें स्वतंत्रता सेनानी राम मनोहर लोहिया ने आजादी का आह्वान किया था। राज्यपाल ने कहा, ''1946 में इसी दिन गोवा के लोगों ने भयमुक्त होकर औपनिवेशिक शासन के खिलाफ आवाज उठाई थी। उस समय शुरू हुए आंदोलन की वजह से ही 19 दिसंबर 1961 को गोवा आजाद हुआ और उसे भारत संघ में उसका वाजिब स्थान मिला।'' आजादी की लड़ाई लड़ने वालों को श्रद्धांजलि देते हुए उन्होंने कहा कि उनके बलिदान, साहस और दृढ़ संकल्प ने ही औपनिवेशिक शासन से मुक्ति को मुमकिन बनाया। राज्यपाल ने कहा, ''आजादी की लड़ाई से मिली सीख आज भी प्रासंगिक है। हर पीढ़ी की अपनी जिम्मेदारियां होती हैं। जिस तरह हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने हिम्मत और दृढ़ इरादे के साथ अपने समय की चुनौतियों का सामना किया, उसी तरह हमें भी समझदारी, ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपने दौर की चुनौतियों का सामना करना चाहिए।''

ब्रिक्स देशों को भारत का निर्यात 2030 तक 200 अरब डॉलर होने की संभावना : एसोचैम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पास ब्रिक्स देशों को निर्यात बढ़ाकर वर्ष 2030 तक 200 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने की क्षमता है, जो पिछले वित्त वर्ष में 96 अरब अमेरिकी डॉलर थी। उद्योग मंडल एसोचैम ने बृहस्पतिवार को यह बात कही।

ब्रिक्स 11 प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतर-सरकारी संगठन है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया शामिल हैं।

उद्योग मंडल ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, खनिज और धातु उत्पाद, रसायन, वाहन और वाहन कलपुर्जे, कपड़ा, चमड़ा, इंजीनियरिंग उत्पाद, दवा उत्पाद, रत्न और आभूषण, चावल, खाद्य तथा समुद्री उत्पाद ऐसे प्रमुख क्षेत्र हैं, जिन पर भारत ब्रिक्स देशों को अपना निर्यात बढ़ाने के लिए ध्यान केंद्रित कर सकता है। एसोचैम ने एक बयान में कहा, भारत के लिए मौजूद महत्वपूर्ण और अप्रयुक्त अवसरों को देखते हुए एसोचैम का मानना है कि 'दक्षिण-दक्षिण सहयोग' को बढ़ावा देकर वर्ष 2030 तक भारत का निर्यात 200 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

इसके साथ ही ब्रिक्स देशों के कुल वैश्विक आयात में भारत की हिस्सेदारी 2030 तक बढ़कर चार प्रतिशत हो सकती है।

उद्योग मंडल के अनुसार, भारत के विनिर्माण क्षेत्र की बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मकता और सदस्य देशों के बीच उभरती मांग-आपूर्ति प्रवृत्तियों के कारण 'ब्रिक्स प्लस' के तहत भारत के निर्यात वृद्धि को रफ्तार मिल रही है।

स्विस बैंकों में जमा भारतीय धन 2025 में आठ प्रतिशत गिरकर 36,793 करोड़ रुपए पर : एसएनबी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/ज्यूरिख/भाषा। स्विस बैंकों में जमा भारतीय धन वर्ष 2025 में आठ प्रतिशत से अधिक घटकर 3.25 अरब स्विस फ्रैंक (करीब 36,793 करोड़ रुपए) रह गया। यह गिरावट स्थानीय शाखाओं और अन्य बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थानों के माध्यम से रखी गई राशि में कमी के कारण हुई। स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) की तरफ से बृहस्पतिवार को जारी वार्षिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

इन आंकड़ों के मुताबिक, कुल जमा राशि में गिरावट आने के बावजूद व्यक्तिगत और संस्थागत ग्राहकों के खातों में जमा धन 50 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 52.4 करोड़ स्विस फ्रैंक (करीब 6,000 करोड़ रुपए) हो गया। हालांकि, कुल राशि में इन जमाओं की हिस्सेदारी लगभग 16% ही रही। कुल धनराशि का बड़ा हिस्सा 'बैंकों को देय राशि' के रूप में रहा, जो अन्य बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के जरिये रखी गई थी। यह राशि पिछले साल करीब 15% घटकर 2.6 अरब स्विस फ्रैंक रही। इससे पहले वर्ष 2024 में स्विस बैंकों में जमा कुल भारतीय धन तिगुना होकर 3.5 अरब स्विस फ्रैंक हो गया था, जो 2021 के बाद का उच्चतम स्तर था। वर्ष 2021 में यह आंकड़ा 14 साल के उच्चतम स्तर 3.83 अरब स्विस फ्रैंक पर था। ये बैंकों की तरफ से स्विस नेशनल बैंक को दी गई सूचनाओं पर आधारित आंकड़े हैं। ये स्विट्जरलैंड में भारतीयों के पास मौजूद कथित काले धन की बहुचर्चित मात्रा को नहीं दर्शाते हैं। इन आंकड़ों में वह धन भी शामिल नहीं होता जो भारतीयों, प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) या अन्य लोगों द्वारा स्विस बैंकों में तीसरे देशों की इकाइयों के नाम पर रखा गया हो।

एसएनबी के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2025 के अंत में मौजूद कुल 325.05 करोड़ स्विस फ्रैंक की देनदारियों में से 52.4 करोड़ स्विस फ्रैंक ग्राहक जमा, 2.6 अरब स्विस फ्रैंक अन्य बैंकों के जरिये, 1.86 करोड़ स्विस फ्रैंक विश्वस्त संस्था या ट्रस्ट के जरिये और 10.57 करोड़ स्विस फ्रैंक बॉन्ड एवं प्रतिभूतियों जैसे अन्य वित्तीय साधनों के रूप में थे। एसएनबी के आंकड़ों के अनुसार, स्विस बैंकों में भारतीयों की कुल जमा राशि वर्ष 2006 में करीब 6.5 अरब स्विस फ्रैंक के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। इसके बाद इसमें अधिकांश समय गिरावट का रुख रहा। हालांकि 2011, 2013, 2017, 2020, 2021, 2022, 2023 और 2024 जैसे कुछ वर्षों में इसमें वृद्धि दर्ज की गई। एसएनबी ने स्पष्ट किया कि ये आंकड़े बैंकों द्वारा रिपोर्ट की गई कुल देनदारियों को दर्शाते हैं और इन्हें स्विस बैंकों में कथित काले धन का प्रत्यक्ष संकेतक नहीं माना जा सकता। इनमें तीसरे देशों की इकाइयों के नाम पर रखे गए धन को शामिल नहीं किया जाता।

छत्तीसगढ़ : दो बच्चों को जहर देने के बाद पिता ने की खुदकुशी

जांजगीर/भाषा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में एक व्यक्ति ने पत्नी से विवाद के बाद अपने दो बच्चों को कथित तौर पर जहर दे दिया और फिर खुदकुशी कर ली। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि नैला पुलिस चौकी क्षेत्र के बिरकोनी गांव निवासी रमेश कुमार पटेल (35) ने पत्नी से विवाद के बाद बेटे आदर्श (तीन) और अभिनव (दो) को कथित तौर पर जहर देकर मार डाला और फिर खुद भी जहर खाकर आत्महत्या कर ली। अधिकारियों के मुताबिक, रमेश का अपनी पत्नी से करीब चार दिन पहले विवाद हुआ था। उन्होंने बताया कि विवाद के बाद पत्नी अपनी बेटी को लेकर मायके चली गई थी।

भारत वैश्विक स्तर पर इस्पात का प्रमुख केंद्र बनने को तैयार : लक्ष्मी निवास मित्तल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आर्सेलरमित्तल के कार्यकारी चेयरमैन लक्ष्मी निवास मित्तल ने कहा कि आने वाले दशकों में भारत वैश्विक इस्पात मांग का प्रमुख केंद्र बनने की स्थिति में है और यह सब इसके बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा विकास, शहरीकरण तथा ऊर्जा के क्षेत्र में हो रहे परिवर्तन से जुड़े निवेश के बल पर हो रहा है। आर्सेलरमित्तल के 20वें स्थापना दिवस (31 जुलाई) से पहले दिए गए एक वीडियो संदेश में मित्तल ने कहा कि वैश्विक इस्पात उद्योग एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है, जिसमें भारत की स्थिति पिछले दो दशक में चीन द्वारा निभाई गई भूमिका जैसी रहने की संभावना है। 20 वर्षों में चीन की असाधारण वृद्धि इस क्षेत्र की विशेषता रही है। अब भारत की बारी है, जहां विशाल बुनियादी ढांचा विस्तार, तीव्र शहरी आवास वृद्धि और ऊर्जा के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक परिवर्तन से जुड़ा ढांचा विकास देखने को मिलेगा। मित्तल ने 2006 में मित्तल स्टील और आर्सेलर के विलय का उल्लेख करते हुए कहा कि इस एकीकरण ने पैमाने, विविधीकरण व मजबूती के जरिये कंपनी को वैश्विक समस्याओं से निपटने में सक्षम बनाया। उन्होंने कहा, ''अगर मैं पिछले 20 वर्षों को देखूं तो मेरा मानना है कि इस विलय ने वास्तव में एक अधिक मजबूत कंपनी बनाई, जिसे बड़े पैमाने, विविधीकरण, टिकाऊ व रणनीतिक विस्तार का लाभ मिला।

पश्चिम एशिया संकट के समय लागू ऊर्जा-सुरक्षा उपायों की समीक्षा करेगी सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया में तनाव घटने और वैश्विक स्थिति के सामान्य होने के संकेतों के बीच सरकार ऊर्जा-सुरक्षा के लिए गए लागू आपातकालीन उपायों की समीक्षा कर उन्हें चरणबद्ध ढंग से वापस लेने पर विचार कर रही है। एक सरकारी अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

वैश्विक तेल एवं गैस आपूर्ति शृंखला में संभावित बाधाओं की आशंका के बीच एलपीजी आपूर्ति की निगरानी बढ़ाने, घरेलू प्राकृतिक गैस आवंटन में नई प्राथमिकता तय करने और ईंधन की जमाखोरी रोकने जैसे एहतियाती कदम उठाए गए थे। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच 111 दिन तक चले संघर्ष को समाप्त करने के लिए हुए अंतरिम शांति समझौते के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों का आवागमन सामान्य होने की संभावना है। ऐसा होने से कच्चे तेल के भारत जैसे प्रमुख आयातक देशों को राहत मिल सकती है। अधिकारी ने कहा, हम लगातार बदलती स्थिति की समीक्षा करते रहे हैं। हमने जो उपाय किए हैं, उनकी भी समीक्षा की जाएगी और जैसे ही हमें भरोसा होगा कि वैश्विक स्थिति सामान्य हो गई है, उन्हें धीरे-धीरे शिथिल किया जाएगा।

होर्मुज जलडमरूमध्य से वैश्विक तेल खपत का पांचवां हिस्सा गुजरता है। यह सऊदी अरब, इराक, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) एवं कतर जैसे प्रमुख उत्पादकों का मुख्य निर्यात मार्ग है, जो भारत के प्रमुख ऊर्जा आपूर्तिकर्ता भी हैं। फरवरी अंत में संघर्ष शुरू होने के बाद इस मार्ग से कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई जिससे कच्चे तेल की कीमतों, बीमा प्रीमियम और माल भाड़ा दरों में तेज वृद्धि हुई। हालात से निपटने के लिए सरकार ने एलपीजी (आपूर्ति एवं वितरण विनियमन) आदेश लागू कर जमाखोरी वं काला बाजारी पर नियंत्रण के निर्देश दिए थे। साथ ही, रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने और सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों को भंडार प्रबंधन मजबूत करने के निर्देश दिए गए थे।

राज्यपाल का विधानसभा में अभिभाषण : टीवीके सरकार ने प्रमुख मुद्दों पर द्रविड़ दलों की नीति बरकरार रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा में अपने पहले अभिभाषण में राज्यपाल आर. वी. आर्लेकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार केंद्र से कर राजस्व में राज्य के उचित वित्तीय अंतरण को सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएगी और न्यायसंगत वित्तीय बंटवारे के मुद्दे को लेकर उच्चतम न्यायालय तक कानूनी लड़ाई लड़ेगी।

राज्यपाल के अभिभाषण से यह भी स्पष्ट हुआ कि मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार ने दो-भाषा नीति और राज्यों के अधिकारों जैसे प्रमुख मुद्दों पर पूर्ववर्ती द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) सरकारों की नीतियों को जारी रखने का फैसला किया है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि राज्य सरकार एक सामाजिक न्याय सर्वेक्षण कराएगी। यह अभिभाषण 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनावों के बाद टीवीके की पहली सरकार बनने के उपरांत परंपरागत रूप से दिया गया संबोधन था। राज्यपाल आर्लेकर ने अपने अभिभाषण की शुरुआत सी. एन. अन्नादुरै और पेरियार' ई. वी. रामासामी सहित कई महान नेताओं की विरासत का उल्लेख करते हुए की।

उन्होंने सरकार द्वारा तैयार किए गए अभिभाषण को पूरा पढ़ा, जिसमें केंद्र पर धन आवंटन में भेदभाव के आरोप जैसे तीखे संदर्भ भी शामिल थे। सत्र की शुरुआत तमिल गीत और राष्ट्रगान के साथ हुई। दिन की कार्यवाही समाप्त होने पर भी राष्ट्रगान गाया गया। मुख्य विपक्षी दल द्रमुक के विधायक काली पट्टी पहनकर सदन में पहुंचे और मुख्यमंत्री से कथित अपराधों की बढ़ती घटनाओं पर जवाब देने और कार्रवाई करने की मांग की।

द्रमुक कार्यकाल (2021-2026) के दौरान तत्कालीन राज्यपाल आर. एन. रवि और द्रविड़ दल के बीच कई मुद्दों पर टकराव हुआ था। इनमें विधानसभा सत्र की शुरुआत में राष्ट्रगान नहीं गाए जाने का मुद्दा भी शामिल था। रवि एक अवसर पर सरकार द्वारा तैयार अभिभाषण पढ़े बिना ही सदन से बाहर चले गए थे। उन्होंने अपने अभिभाषण में द्रविड़ नेताओं के संदर्भ जैसे कुछ हिस्सों को हटा दिया था और कुछ नए बिंदु जोड़ दिए थे, जिससे तत्कालीन एम. के. स्टालिन सरकार खफा हो गई थी। हालांकि, बृहस्पतिवार को विधानसभा का माहौल पूरी तरह अलग दिखाई दिया। सरकार द्वारा तैयार पाठ पर कायम रहते हुए आर्लेकर ने सत्तारूढ़ व्यवस्था के वैचारिक मार्गदर्शकों पेरियार, पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के दिग्गज नेता के. कामराज, डॉ. भीमराव आंबेडकर तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रानी वेलु नाच्चियार और अंजलाई अम्मल का उल्लेख किया।

राज्यपाल ने कहा कि तमिलनाडु ने ऐसा राजनीतिक परिवर्तन देखा है, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। उन्होंने मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय को हमारे समय का ऐतिहासिक नेता बताते हुए कहा कि उन्होंने अपनी पार्टी टीवीके की स्थापना के महज दो वर्षों के भीतर सरकार बना ली। विजय ने धनबल जैसी अनेक बाधाओं को पार करते हुए लोकतंत्र की जीत सुनिश्चित की। उन्होंने कहा कि गठबंधन सरकार होने के बावजूद टीवीके शासन ने सत्ता में साझेदारी और शासन में साझेदारी का ऐसा मॉडल प्रस्तुत किया है, जो तमिलनाडु के 74 वर्षों के राजनीतिक इतिहास में पहले कभी देखने को नहीं मिला। आर्लेकर ने मुख्यमंत्री बनने के बाद विजय की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ हुई पहली बैठक का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस दौरान मुख्यमंत्री ने कई लंबित मांगों से संबंधित एक ज्ञापन प्रधानमंत्री को सौंपा था।

इन मांगों में होसुर के निकट सेंटर फॉर एयर बोर्न सिस्टम्स (सीएबीएस) की स्थापना और कर्नाटक द्वारा कावेरी नदी पर मेकेदातु बांध निर्माण के प्रयास को रोकना शामिल था। इसके अलावा श्रीलंका द्वारा तमिलनाडु के मछुआरों की गिरफ्तारी रोकने तथा गिरफ्तार मछुआरों की तत्काल रिहाई व उनकी नौकाएं छोड़ने की मांग भी की गई थी। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से राजमार्ग परियोजनाओं के लिए धन उपलब्ध कराने और होसुर, कोयंबटूर तथा मदुरै में मेट्रो रेल परियोजनाओं को प्रशासनिक मंजूरी देने का भी अनुरोध किया था। नीति आयोग की 11वीं शासी परिषद की बैठक में भी विजय ने इन मांगों को दोहराया था।

राज्यपाल ने कहा, हमें पूरी उम्मीद है कि केंद्र सरकार इन मांगों पर सकारात्मक विचार करेगी और तमिलनाडु को आवश्यक सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को दिए गए करों में तमिलनाडु के हिस्से की मांग को लेकर विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया जाएगा। आर्लेकर ने कहा, प्रस्ताव पारित करने के साथ-साथ इस मुद्दे को उच्चतम न्यायालय तक ले जाने के लिए एक विशेष कानूनी समिति गठित की जाएगी ताकि राज्य को वित्तीय बंटवारे में उसका न्यायसंगत हिस्सा मिल सके। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु को मिलने वाले प्रत्येक रुपये का पूरा लेखा-जोखा तैयार किया जाएगा और राज्य के प्रति केंद्र सरकार के कथित भेदभावपूर्ण रवैये पर एक विस्तृत रिपोर्ट भी प्रकाशित की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि तमिलनाडु को केंद्र सरकार से वित्तीय बंटवारे में उसका वैध हिस्सा मिले।

राज्यपाल ने कहा, यह सरकार तमिलनाडु के हितों की रक्षा, राज्यों के अधिकारों के लिए संघर्ष, आवश्यक परियोजनाओं के क्रियान्वयन और नए बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए केंद्र सरकार पर लगातार दबाव बनाए रखेगी।आर्लेकर ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में राज्य की वित्तीय स्थिति में गंभीर गिरावट आई है। उन्होंने कहा, पिछले पांच वर्षों में राज्य का कर्ज लगभग दोगुना होकर 10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का 28.3 प्रतिशत है। परिणामस्वरूप तमिलनाडु में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति पर एक लाख रुपये से अधिक का कर्ज बोझ बन चुका है। राज्यपाल ने कहा कि राजस्व और कर संग्रह विभागों में राजस्व चूक तथा व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण कर राजस्व में गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 में जहां कर राजस्व जीएसडीपी का 5.93 प्रतिशत था, वहीं 2025-26 में यह घटकर 5.45 प्रतिशत रह गया।

राज्यपाल ने तीन साल बाद बिना किसी बाधा के अभिभाषण पूरा पढ़े जाने पर संतोष जताया

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने बृहस्पतिवार को इस बात पर गहरा संतोष व्यक्त किया कि विधानसभा में लगभग तीन वर्ष के बाद पहली बार राज्यपाल का अभिभाषण बिना किसी बाधा के पूरा पढ़ा गया। उन्होंने यह भी कहा कि तमिलनाडु की 17वीं विधानसभा के पहले सत्र की शुरुआत और उनके अभिभाषण के अंत में राष्ट्रगान गाया गया। यह सत्र मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली नवगठित तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार का पहला सत्र भी है। राज्यपाल आर्लेकर ने 'एक्स' पर कहा, मुझे लोगों को यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि आज तमिलनाडु विधानसभा के लिए एक नए युग की शुरुआत का दिन है। उन्होंने कहा, लगभग तीन वर्ष के बाद यह बहुत संतोष की बात है कि राज्यपाल का अभिभाषण सदन में बिना किसी बाधा के पूरा पढ़ा गया। इसके अलावा, पहली बार सत्र की शुरुआत और राज्यपाल के अभिभाषण के अंत में राष्ट्रीय गान का गायन किया गया। राज्यपाल ने अपनी पोस्ट में पूर्व राज्यपाल आर. एन. रवि और तत्कालीन द्रमुक सरकार के बीच कथित टकराव का उल्लेख किया, जब 2024 में रवि ने राज्य सरकार द्वारा तैयार पूरा अभिभाषण पढ़ने से इनकार कर दिया था और कुछ हिस्सों को छोड़ दिया था। साल 2025 में भी राज्यपाल ने पूरा भाषण पढ़ने से इनकार किया था और 2026 में कुछ ही मिनट में सदन से बहिर्गमन कर गए थे। तत्कालीन मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने उस समय राज्यपाल की आलोचना की थी और उन्हें हटाने की मांग की थी।

तमिलनाडु विधानसभा का पहला सत्र 23 जून को समाप्त होगा

चेन्नई। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की सरकार बनने के बाद आहूत तमिलनाडु विधानसभा का पहला सत्र 23 जून को समाप्त होगा। शुक्रवार को पूर्व विधायकों और नेताओं के लिए शोक संदेश और श्रद्धांजलि प्रस्ताव पारित करने के लिए सदन की बैठक होगी, जिसके बाद 22 जून को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के लिए फिर से बैठक होगी। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय 23 जून को चर्चा पर जवाब देंगे।

मुलाकात — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एस. जोसेफ विजय ने 18 जून को सचिवालय में जीएमआर ग्रुप के चेयरमैन (एयरपोर्ट्स) जी. पी. एस. राजू, कमर्शियल चेयरमैन पी. वी. एन. राव और सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (कॉर्पोरेट अफेयर्स) जी. श्रीधर बाबू से मुलाकात की।

तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा उलटफेर संभव

डीएमके गठबंधन छोड़ सकती है एमडीएमके

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में जल्द ही बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एमडीएमके) के डीएमके-नीत सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस (एसपीए) से अलग होने और मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार के करीब जाने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, एमडीएमके 27 जून को होने वाली अपनी जनरल काउंसिल बैठक में डीएमके गठबंधन से अलग होने का औपचारिक ऐलान कर सकती है। यदि ऐसा होता है, तो यह तमिलनाडु की राजनीति में एक बड़ा राजनीतिक पुनर्गठन माना जाएगा। डीएमके के कई पूर्व सहयोगी दल जैसे वीसीके, आईयूएमएल, सीपीआई और सीपीएम पहले ही टीवीके सरकार को समर्थन दे चुके हैं। हालांकि एमडीएमके अब तक खुलकर सरकार के समर्थन में नहीं आ सकी, क्योंकि उसके दो विधायक डीएमके के चुनाव चिह्न 'राइजिंग सन' पर चुनाव जीतकर विधानसभा

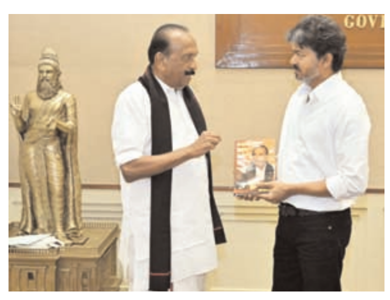

पहुंचे थे। पार्टी नेताओं का मानना है कि इस स्थिति में सबसे व्यावहारिक रास्ता यही है कि दोनों विधायक अपने पद से इस्तीफा दें, उपचुनाव लड़ें और दोबारा जीतने के बाद सत्तारूढ़ गठबंधन का समर्थन करें।

एमडीएमके प्रमुख वाइको और उनके बेटे, तिरुचिरापल्ली से सांसद दुरई वाइको, दोनों सार्वजनिक रूप से डीएमके के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ने को लेकर खेद जता चुके हैं। हाल ही में दुरई वैको ने कहा था कि डीएमके के टिकट पर जीतने के कारण उनकी पार्टी टीवीके सरकार का समर्थन नहीं कर पा रही है, जो उनके लिए दुर्भाग्य की बात है। मंगलवार को लोक निर्माण मंत्री आधव अर्जुना ने चेन्नई स्थित वाइको के आवास पर उनसे मुलाकात की थी। इसके अगले दिन वाइको ने सचिवालय में मुख्यमंत्री विजय से मुलाकात की। हालांकि वाइको ने गठबंधन बदलने की खबरों को महज अटकल बताया, लेकिन सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री के साथ करीब 45 मिनट चली बैठक में राजनीतिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इसी बीच दुरई वाइको ने राज्य में महिलाओं के खिलाफ हालिया अपराधों को लेकर टीवीके सरकार का बचाव भी किया। उन्होंने विपक्ष के उन आरोपों को खारिज किया, जिनमें कानून-व्यवस्था बिगड़ने की बात कही जा रही थी। उनका कहना था कि यह सरकार के खिलाफ एक 'नैरेटिव' तैयार करने की कोशिश है। उन्होंने दावा किया कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों में कोई असामान्य बढ़ोतरी नहीं हुई है और ऐसे मामले डीएमके शासन के दौरान भी सामने आते रहे थे। गौरतलब है कि अप्रैल में हुए विधानसभा चुनाव में एमडीएमके ने डीएमके के चुनाव चिह्न पर चार सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिनमें से दो सीटों पर जीत मिली थी। यदि पार्टी के दोनों विधायक इस्तीफा देते हैं, तो विधानसभा में रिक्त सीटों की संख्या बढ़कर आठ हो जाएगी।

मुलाकात — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एस. जोसेफ विजय ने मंगलवार को मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री काश्रुत अरविंद धर्माधिकारी के आवास पर शिष्टाचार भेंट की और उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट किया।

विपक्ष ने राज्यपाल के अभिभाषण को निराशाजनक बताया, टीवीके सरकार पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) और अन्नाद्रमुक समेत विपक्षी दलों ने बृहस्पतिवार को सत्तारूढ़ टीवीके सरकार पर तीखा हमला बोला और विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण को निराशाजनक बताया। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि अभिभाषण में चुनावी वादों को लागू करने की समय-सीमा का कोई उल्लेख नहीं किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति, खासकर हाल के दिनों में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों के मुद्दे पर भी कोई बात नहीं की गई। नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन ने सबसे पहले सरकार पर हमला बोलते हुए इस अभिभाषण को पिछले पांच वर्षों में द्रमुक सरकार की उपलब्धियों की कट-कॉपी-पेस्ट बताया।

पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा, आज जिन प्रमुख नीतियों का उल्लेख किया गया, जैसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) और नीट का विरोध, दो-भाषा नीति को जारी रखना, केंद्र से शिक्षा के लिए धन प्राप्त करने की मांग, गरीबी-मुक्त तमिलनाडु बनाने की दिशा में काम करना और चेन्नई में उच्चतम न्यायालय की एक पीठ स्थापित करने का प्रयास... ये सभी पहल द्रमुक शासन के दौरान शुरू की गई थीं। इसमें बिल्कुल भी कुछ नया नहीं है। उदयनिधि और उनकी पार्टी के विधायकों ने सचिवालय परिसर के अंदर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने काली पट्टी पहनकर टीवीके सरकार के खिलाफ नारे लगाए और राज्य में कानून-व्यवस्था कथित रूप से बिगड़ने को लेकर विरोध जताया। हाथों में तख्तियां लेकर विपक्षी सदस्यों ने राज्य में यौन उत्पीड़न, हत्या और डकैती की घटनाओं में कथित तेज बढ़ोतरी के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा गंभीर खतरे में आ गई है।

अन्नाद्रमुक के महासचिव ए. के. पलानीस्वामी ने दावा किया कि राज्यपाल का अभिभाषण तमिलनाडु की वित्तीय स्थिति पर एक श्वेत पत्र से अधिक कुछ नहीं था और इसमें पूरी तरह से नए विकास संबंधी घोषणाओं की कमी थी। पलानीस्वामी ने जोर देकर कहा कि टीवीके के महत्वपूर्ण चुनावी वादे जैसे महिलाओं की सहायता राशि मगलिर उरिमै थोगई को 1,000 रुपये से बढ़ाकर 2,500 रुपये करना, हर साल छह मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देना और आठ ग्राम सोने की योजना लागू करना इन सभी का अभिभाषण में कोई उल्लेख नहीं किया गया।

द्रमुक विधायकों ने टीवीके सरकार के खिलाफ तमिलनाडु विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक)विधायकों ने नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन के नेतृत्व में तमिलनाडु विधानसभा के उद्घाटन सत्र से पहले बृहस्पतिवार को परिसर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और राज्य में कानून-व्यवस्था बिगड़ने का आरोप लगाते हुए तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार पर निशाना साधा।

काले बैज पहने विधायकों ने नारेबाजी की और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को लेकर मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय से जवाबदेही की मांग की। उन्होंने सत्तारूढ़ दल पर राजनीतिक प्रलोभन देकर विपक्ष को कमजोर करने का प्रयास'' करने का भी आरोप लगाया। यह प्रदर्शन राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर द्वारा सदन में अपने पहले अभिभाषण से ठीक पहले हुआ, जिसमें उन्होंने नयी सरकार के तहत राज्य के विकास का खाका पेश किया।

तमिलनाडु में भाजपा का प्रदर्शन, टीवीके सरकार में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ने का लगाया आरोप

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई ने बृहस्पतिवार को नवगठित तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के शासनकाल में राज्य में कानून-व्यवस्था बिगड़ गई है और महिलाओं के खिलाफ अपराधों में वृद्धि हुई है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन के नेतृत्व में यह विजय के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के खिलाफ पार्टी का पहला बड़ा प्रदर्शन था। नागेंद्रन ने प्रदर्शन स्थल पर संवाददाताओं से बातचीत के दौरान विजय सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि ''राज्य प्रशासन महिलाओं को पर्याप्त सुरक्षा देने में नाकाम रहा है।'' उन्होंने दावा किया, ''यह विरोध प्रदर्शन विजय सरकार के खिलाफ कड़ी निंदा दर्ज कराने के लिए भाजपा की ओर से आयोजित किया जा रहा है। राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है और महिलाओं की सुरक्षा बिल्कुल भी नहीं है।'' नागेंद्रन ने कहा कि जन-सुरक्षा के मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार को कानूनी और राजनीतिक चुनौती देती रहेगी। उन्होंने कहा, ''जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए हम सभी जरूरी प्रशासनिक और कानूनी कदम उठाएंगे। इस पर कोई दो राय नहीं है। जनता को इन घटनाक्रमों पर नजर रखनी चाहिए।''

विजय के जन्मदिन के उपलक्ष्य में चिड़ियाघरों में 21 और 22 जून को मुफ्त प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के जन्मदिन के उपलक्ष्य में राज्य सरकार ने 21 और 22 जून को चिड़ियाघरों में प्रवेश शुल्क माफ करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। राज्य के मंत्री रंजीत कुमार ने इसकी घोषणा करते हुए पत्रकारों को बताया कि यह पहल विशेष रूप से युवा आगंतुकों के मनोरंजन के लिए की गई है।

मंत्री ने कहा, ''बच्चे हमारे लिए भगवान की तरह हैं। हमने यह सब उनकी खुशी के लिए किया है।'' मुख्यमंत्री विजय का जन्मदिन 22 जून को पड़ता है और प्रशासन ने उसी के मद्देनजर इस दो दिवसीय छूट की घोषणा की है।

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना
मण्डल रेल प्रबन्धक इन्जीनियरिंग उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर के द्वारा भारत संघ के राष्ट्रपति एवम् उनकी ओर से ई-निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमों के अनुसार निर्धारित प्रपत्रों में निविदा निम्न कार्यो के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है। **क्र.सं.** 1 **निविदा संख्या/कार्य का नाम** : इंजी. -जय-2026-27-54 सैटेलाइट ट्रैक मशीन डिपो, बांदीकुई/जयपुर के इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाना और वहां कर्मचारियों के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराना। **अनुमानित लागत** : 4148581.86 **बिड प्रतिभूति राशि** : 83000.00 **क्र.सं.** 2 **निविदा संख्या/कार्य का नाम** : इंजी.-जय-2026-27-55 आरपीएफ ट्रेनिंग सेंटर बांदीकुई में मेस, डाइनिंग हॉल और किचन का नवीनीकरण। **अनुमानित लागत** : 8712618.51 **बिड प्रतिभूति राशि** : 174300.00 **क्र.सं.** 3 **निविदा संख्या/कार्य का नाम** : इंजी.-जय-2026-27-57 सहायक मण्डल इंजीनियर/II/जयपुर उपमण्डल-लंबे लूप के संबंध में कनौटा स्टेशन के यार्ड का रीमॉडलिंग। **अनुमानित लागत** : 29434223.07 **बिड प्रतिभूति राशि** : 588700.00
1 उपरोक्त निविदाओं का पूर्ण विवरण वेब साइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। नोटिस बोर्ड - मंडल रेल प्रबन्धक (निर्माण लेखा) उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर के कार्यालय में देखी जा सकती है। 2 निविदा संख्या इंजी.-जय.-2026-27-54 एवं 55 की बन्द होने की तिथि 10.07.2026 समय 15.00 बजे एवं खुलने की तिथि 10.07.2026 समय 16.00 बजे । 3 निविदा संख्या इंजी. -जय-2026-27-57 की बन्द होने की तिथि 06.07.2026 समय 15.00 बजे एवं खुलने की तिथि 06.07.2026 समय 16.00 बजे ।
886-DE/26
हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

योग

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले राजस्थान के बीकानेर में गुरुवार को एक टैंक के ऊपर योग करते लोग।

मिनरल ब्लॉकों का डेलिनियेशन से ऑक्शन तक का बनेगा एक्शन प्लान : अपर्णा अरोरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम श्रीमती अपर्णा अरोरा ने खान एवं भूविज्ञान विभाग के फील्ड अधिकारियों को डेलिनियेशन से लेकर ऑक्शन तक के लिए मिनरल ब्लॉक तैयार करने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मिनरल ब्लॉकों की समय पर नीलामी से वैध खनन को बढ़ावा, अवैध खनन पर प्रभावी रोक, माइनिंग सेक्टर में निवेश और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे। एसीएस माइंस श्रीमती अपर्णा अरोरा गुरुवार को खनिज भवन में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की हाईब्रिड मोड पर बैठक को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि मिनरल ब्लॉकों के तैयार करने से नीलामी तक की प्रक्रिया का क्रियान्वयन टाइमलाइन बनाकर किया जाए ताकि क्रियान्वयन व प्रभावी मोनेटरिंग संभव हो सके। उन्होंने कहा कि इससे राज्य सरकार के राजस्व में भी बढ़ोतरी होगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा माइनिंग सेक्टर में राजस्थान को अग्रणी प्रदेश बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य करने के निर्देश है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए विभाग द्वारा वैध खनन को बढ़ावा देने के लिए मिनरल ब्लॉकों के ऑक्शन पर जोर दिया जा रहा है। श्रीमती अरोरा ने कहा कि विभाग को राजस्व संग्रहण का बड़ा लक्ष्य मिला है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अभी से कार्ययोजना बनाने के साथ ही पुराने बकाया और अवैध खनन गतिविधियों पर कार्यवाही की बकाया राशि की वसूली पर भी फोकस करना होगा। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को फील्ड में सक्रिय होने से राजस्व में बढ़ोतरी और अवैध खनन गतिविधियों पर कारगर रोक लग सकेगी।

एसीएस माइंस श्रीमती अपर्णा अरोरा ने निर्माण कार्य से जुड़ी संस्थाओं से उपलब्ध एम-सेंड के अधिक से अधिक उपयोग पर जोर दिया ताकि बजरी के विकल्प के रूप में एम-सेंड को प्रोत्साहित किया जा सकें। उन्होंने बजट घोषणाओं की क्रियान्विति प्रगति, राजस्व संग्रहण सहित महत्वपूर्ण बिन्दुओं की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कोटा के अस्पताल में महिलाओं की मौत का मामला 'संस्थागत विफलता' का नतीजाः गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज में पांच महिलाओं की मौत के मामले को अत्यंत गंभीर और चिंताजनक करार देते हुए इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। गहलोत ने कहा कि पांच महिलाओं की मौत का यह मामला सामान्य नहीं हैं बल्कि संस्थागत विफलता का नतीजा है। उन्होंने एम्स टीम की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि ऑपरेशन थिएटर में संदिग्ध संक्रमण की बात सामने आई है, जो अस्पताल प्रशासन के दावों के विपरीत है।

गहलोत ने बताया कि कई अन्य महिलाओं की स्थिति भी गंभीर बनी हुई है। उन्होंने कहा, पांच महिलाएं अब भी जिंदगी की जंग लड़ रही हैं और गंभीर जटिलताओं के कारण डायलिसिस पर हैं। गहलोत ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा कि वे इलाज और सहयोग को लेकर असमंजस में हैं। उन्होंने मांग की कि यदि मरीजों को दीर्घकालिक जटिलताओं का सामना करना पड़ता है तो राज्य सरकार इलाज का पूरा खर्च उठाए। उन्होंने साथ ही बीकानेर में भी इसी तरह की स्थिति का हवाला देते हुए कहा कि अस्पताल की खराब स्थितियां और संक्रमण का खतरा मरीजों को प्रभावित कर रहा है।

गहलोत ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने प्रभावित परिवारों को तुरंत मुआवजा देने की भी मांग की। राज्य सरकार या अस्पताल प्रशासन की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

सम्राट पृथ्वीराज चौहान के आदर्श राष्ट्र की अमूल्य धरोहर : गजेन्द्र सिंह शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। आशापुरा माता धाम, ब्यावर में गुरुवार को आयोजित सम्राट पृथ्वीराज चौहान जन्मोत्सव समापन समारोह एवं सामूहिक विवाह सम्मेलन के आशीर्वाद समारोह में केंद्र एवं राजस्थान सरकार के मंत्रियों, सांसद, जनप्रतिनिधियों तथा संत-महात्माओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह में 11 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए राष्ट्रनायकों के आदर्शों को आत्मसात करने, भारतीय संस्कृति के संरक्षण तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया गया। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि सम्राट पृथ्वीराज चौहान का बलिदान भारतीय इतिहास की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने नवविवाहित दंपतियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके वैवाहिक जीवन की मंगलकामना की। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप, सम्राट पृथ्वीराज चौहान, रानी लक्ष्मीबाई सहित अनेक महापुरुषों और वीरांगनाओं ने अपने बलिदान से भारतीय संस्कृति और राष्ट्र की अस्मिता की रक्षा की। नई पीढ़ी को राष्ट्रनायकों के जीवन से प्रेरणा लेकर विरासत के संरक्षण, पारिवारिक मूल्यों तथा सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों के विकास के लिए योजनाएं तैयार कराने का भी आश्वासन दिया।

जल संसाधन राज्य मंत्री सुरेश सिंह रावत ने समारोह में उपस्थित सभी लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि सम्राट पृथ्वीराज चौहान का जीवन साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इतिहास में वीरों के योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने घोषणा की कि लूनी बांध का नाम शीघ्र ही सम्राट पृथ्वीराज चौहान के नाम पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा ही विकास का सबसे बड़ा आधार है तथा सभी को एकजुट होकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि महापुरुष किसी एक समाज के नहीं, पूरे राष्ट्र के नायक होते हैं। उन्होंने युवाओं से महापुरुषों के संस्कारों और आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की निरंतरता में महापुरुषों का योगदान अतुलनीय रहा है तथा उनके जीवन से समाज को सदैव प्रेरणा मिलती रहेगी। उन्होंने लूनी बांध का नाम सम्राट पृथ्वीराज चौहान के नाम पर रखने का विचार भी व्यक्त किया।

सांसद श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़ ने मेवाड़ और मारवाड़ के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक संबंधों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मेरा संबंध केवल राजनीतिक नहीं बल्कि सदियों पुरानी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा हुआ है। वह उस वंश परंपरा से आती हैं जिसने महाराणा प्रताप जैसे महान योद्धा को जन्म दिया और नाथद्वारा से लेकर मेडता तक की भूमि संत मीरा बाई और वीरता की गौरवशाली परंपराओं से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि मेवाड़ और मारवाड़ का रिश्ता लगभग 500 वर्षों से अधिक पुराना है, जो त्याग, संस्कृति, श्रद्धा और राष्ट्रभक्ति की भावनाओं से परिपूर्ण है।

सांसद ने कहा कि सम्राट पृथ्वीराज चौहान और महाराणा प्रताप दोनों सत्य, स्वाभिमान और धर्म की रक्षा के लिए संघर्ष का मार्ग चुना तथा कभी भी अन्याय के सामने आत्मसमर्पण नहीं किया। यही कारण है कि आज भी वे जन-जन के हृदय में जीवित हैं। उन्होंने कहा कि सत्य और राष्ट्रहित के लिए लड़ी गई लड़ाई भले ही लंबी हो लेकिन अंततः विजय उसी की होती है और इतिहास भी उसे ही सदैव स्मरण रखता है। ब्यावर विधायक शंकर सिंह रावत ने युवाओं से सम्राट पृथ्वीराज चौहान के जीवन, वीरता और बलिदान से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने पृथ्वीराज चौहान के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि राष्ट्रनायकों के आदर्श सदैव समाज का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

समारोह में 11 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया गया तथा उनके सुखद एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन की कामना की गई। इस अवसर पर डॉ. रमेशचंद्र अग्रवाल क्षेत्र संघचालक, उमाशंकर जी शर्मा, केंद्रीय मंत्री, विश्व हिंदू परिषद, मसूदा विधायक वीरेंद्र सिंह कानावत, जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर ब्रह्म लाल जाट, संत-महात्मागण, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नवविवाहितों के परिजन व मित्र एवं आमजन उपस्थित रहे।

परियोजना के कार्यों का प्रभाव हो प्रदर्शित : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता विकास परियोजना की तीसरी उच्चाधिकार समिति की बैठक गुरुवार को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में आयोजित हुई। बैठक में एएफडी, फ्रांस द्वारा वित्त पोषित इस परियोजना के विभिन्न घटकों की विस्तृत समीक्षा कर वित्तीय वर्ष 2026-27 की वार्षिक कार्य योजना प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। मुख्य सचिव ने कहा कि परियोजना के तहत किए जा रहे कार्यों में लक्ष्य पूर्ति के साथ परिणाम जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक गतिविधि का प्रभाव स्थानीय समुदाय, पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधनों पर सकारात्मक एवं परिवर्तनकारी रूप में परिलक्षित होना चाहिए। मुख्य सचिव ने कहा कि परियोजना के तहत किए जा रहे कार्यों की सफलता के उदाहरण सामने आने चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे मॉडल विकसित किए जाएं जिनसे क्षेत्र में हरित आवरण बढ़ने, भूजल स्तर में सुधार, जैव विविधता संरक्षण तथा स्थानीय समुदायों की आजीविका पर सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे। उन्होंने कहा कि परियोजना के कार्य परिवर्तनकारी होने चाहिए। इनका लाभ आमजन प्रत्यक्ष रूप से अनुभव कर सकें।

मुख्य सचिव ने सभी विभागों को सौंपे गए दायित्वों का प्रभावी निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि परियोजना से जुड़े हितग्राहकों एवं स्थानीय समुदायों के विचारों और सुझावों को भी प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि स्थानीय आवश्यकताओं एवं अपेक्षाओं के अनुरूप कार्यों की योजना बनाकर उनका क्रियान्वयन किया जाए।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सभी गतिविधियों का निष्पादन निर्धारित तकनीकी मापदंडों एवं गुणवत्ता मानकों के अनुरूप किया जाए। उन्होंने परियोजना के प्रत्येक घटक की नियमित मॉनिटरिंग एवं समय-समय पर प्रभावी पर्यवेक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पौधारोपण एवं चारागाह विकास कार्यों में स्थानीय एवं क्षेत्र विशेष के अनुकूल प्रजातियों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने उच्च घनत्व वाले हरित क्षेत्र विकसित करने, बड़े आकार के पौधों के रोपण तथा उन्नत एवं बड़ी नर्सरियों के विकास पर विशेष ध्यान देने को कहा। मुख्य सचिव महोदय ने निर्देश दिये कि परियोजना में किये जा रहे कार्यों के प्रभाव का आंकलन करने के लिए परिवर्तन के सूचकांकों का निर्धारण कर परियोजना के प्रारम्भ एवं वर्तमान स्थिति की तुलनात्मक समीक्षा करें।

उन्होंने कहा कि परियोजना के माध्यम से जल संरक्षण संरचनाओं का विकास इस प्रकार किया जाए कि भूजल स्तर में वृद्धि हो तथा स्थानीय जल संसाधनों का पुनर्भरण सुदृढ़ हो। मृदा एवं जल संरक्षण गतिविधियों के दीर्घकालिक प्रभावों का भी नियमित मूल्यांकन किया जाए। मुख्य सचिव ने फ्रांसीसी विकास एजेंसी एएफडी की द्वितीय ट्रांच से संबंधित ऋण अनुबंध प्रक्रिया को आगामी जुलाई तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि परियोजना के उद्देश्यों की प्रभावी प्राप्ति के लिए सभी संबंधित विभागों के बीच मजबूत समन्वय आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना कार्यों को गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध एवं परिणामोन्मुखी ढंग से पूर्ण किया जाए।

आठ दिन से लापता महिला का शव कुएं में मिला, हत्या की आशंका

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर से आठ दिन से लापता 53 वर्षीय महिला का शव बृहस्पतिवार को एक कुएं से बरामद हुआ। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने शुरुआती जांच के आधार पर इसे लूट के लिए हत्या का मामला बताया है। पुलिस ने बताया कि शिवदासपुरा थाना क्षेत्र के हनुमानपुरा पावर ग्रिड के पीछे ढूंढ नदी के पास स्थित कुएं से बृहस्पतिवार सुबह बदबू आने पर ग्रामीणों ने उसमें झांककर देखा और शव होने की जानकारी मिली। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कुएं से शव को बाहर निकाला।

थाना प्रभारी राजेंद्र मीणा ने बताया कि मृतका की पहचान बल्लूपुरा निवासी बीनादेवी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार महिला मजदूरी करती थी और 11 जून को दोपहर दवा लेने घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। इसके बाद परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि महिला का शव उसके घर से करीब दो किलोमीटर दूर मिला। पुलिस ने बताया कि मृतका के पैरों में पहनी हुई चांदी के कड़े गायब थे। प्रथम दृष्टया आशंका है कि कड़े के लिए महिला की हत्या कर शव कुएं में फेंक दिया गया। फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने कहा कि मौत का सही कारण पोस्टमार्टम और एफएसएल रिपोर्ट के बाद स्पष्ट होगा। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

योग

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार को जयपुर में मुख्यमंत्री आवास पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले योगाभ्यास करते हुए।

आमजन को वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव के लिए साइबर सुरक्षा एडवाइजरी जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा साइबर स्वच्छता को बढ़ावा देने तथा डिजिटल माध्यमों से होने वाली धोखाधड़ी के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से दो साइबर सुरक्षा एडवाइजरी जारी की गई है। एडवाइजरी में अवैध एवं अनधिकृत इंस्टेंट लोन ऐप्स के माध्यम से होने वाली जबरन वसूली ओर डिजिटल उत्पीड़न से बचाव पर विशेष बल दिया गया है। साथही टास्क स्कैम से बचाव के लिए आमजन को सावधान रहने की अपील की गई है। इंस्टेंट लोन ऐप आधारित जबरन वसूली के मामलों से सावधान रहें। अनधिकृत इंस्टेंट लोन ऐप्स द्वारा तत्काल वित्तीय आवश्यकता वाले व्यक्तियों को निशाना बनाने के लिए बिना गारंटी केतुरंत नकद देने का वादा किया जाता है।

एक बार एप इंस्टॉल करने पर स्कैमर्स उपयोगकर्ताओं के मोबाइल डेटा, संपर्क सूची एवं निजी जानकारी तक पहुंच प्राप्त कर लेते हैं। इसके बाद अत्यधिक ब्याज, धमकी, ब्लैकमेल और मॉर्फ्ड तस्वीरों के माध्यम से दबाव बनाकर अवैध वसूली करते हैं। नागरिकों को केवल अधिकृत प्लेटफॉर्म एवं आधिकारिक ऐप स्टोर से ही वित्तीय एप्लीकेशन डाउनलोड करने तथा किसी भी ऐप को अनावश्यक अनुमति प्रदान करने सेबचने की सलाह दी गई है।

गृह विभाग द्वारा जारी दूसरी एडवाइजरी में टास्क स्कैम अथवा ऑनलाइन पार्ट-टाइम जॉब धोखाधड़ी के संबंध में नागरिकों को सचेत किया गया है। साइबर अपराधी प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधि बनकर लोगों को आसान कार्यों के बदले आकर्षक आय का प्रलोभन देते हैं तथा प्रारंभिक भुगतान कर विश्वास अर्जित करने के बाद उनसे बड़ी धनराशि निवेश करवाने का प्रयास करते हैं।

राहुल गांधी पर दिया कुमारी का पलटवार, 'कांग्रेस राज में पेपर लीक ने बनाया था रिकॉर्ड'

जयपुर । राजस्थान की राजनीति में पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। कोटा में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के कार्यक्रम के बाद राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने उन पर निशाना साधते हुए कांग्रेस के शासनकाल को कटघरे में खड़ा किया। जयपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान दीया कुमारी ने कहा कि विपक्ष में रहते हुए राहुल गांधी जो कर रहे हैं, वह उनसे अपेक्षित है और वह आगे भी ऐसा करते रहेंगे। लेकिन उन्होंने सवाल उठाया कि जब राजस्थान में कांग्रेस की सरकार थी, तब लगातार हुए पेपर लीक मामलों पर राहुल गांधी ने कभी कोई प्रतिक्रिया क्यों नहीं दी। दिया कुमारी ने कहा, राजस्थान में कांग्रेस सरकार के दौरान जितने पेपर लीक हुए, वह अपने आप में एक रिकॉर्ड था। मैं राहुल गांधी से पूछना चाहती हूं कि उस समय उन्होंने क्या कहा था? वे पूरी तरह मौन थे। पांच साल तक लगातार पेपर लीक होते रहे, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं कहा। सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब आपकी सरकार थी, तब यह सब क्यों होता रहा?

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने परीक्षाओं को पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए बेहतर तैयारियां की हैं। आने वाले समय में परीक्षाएं बेहतर तरीके से आयोजित होंगी और ऐसी समस्याओं की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। दरअसल, बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कोटा के दशहरा मैदान में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में छात्रों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम राजनीति के लिए नहीं, बल्कि छात्रों की चिंताओं, चुनौतियों और उनके भविष्य पर चर्चा के लिए आयोजित किया गया है।

कार्यक्रम में राहुल गांधी ने आकांक्षा नाम की एक छात्रा द्वारा कथित रूप से लिखे गए सुसाइड नोट का जिक्र करते हुए कहा कि यह किसी छात्र की व्यक्तिगत विफलता नहीं, बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था की विफलता है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली धीरे-धीरे आर्थिक शोषण का माध्यम बनती जा रही है। राहुल गांधी ने नीट और जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं का जिक्र करते हुए कहा कि लाखों छात्र इन परीक्षाओं में शामिल होते हैं, लेकिन बहुत कम छात्रों का चयन हो पाता है। उन्होंने कहा, माता-पिता अपने बच्चों की पढ़ाई और कोचिंग पर लाखों रुपये खर्च करते हैं, लेकिन हमारी शिक्षा व्यवस्था चयन से ज्यादा अस्वीकृति की व्यवस्था बन गई है। यह छात्रों को अपमानित करती है और कई युवाओं को अवसाद की ओर धकेल देती है।

योग को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं : बैरवा

जयपुर । उपमुख्यमंत्री एवं आयुष मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि संतुलित, सकारात्मक एवं अनुशासित जीवन जीने की प्रभावी साधना है। उन्होंने प्रदेशवासियों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। डॉ. बैरवा ने गुरुवार प्रातः जयपुर स्थित अपने राजकीय आवास के उद्यान परिसर में परिवार एवं सहायकों के साथ विभिन्न योगासनों, प्राणायाम तथा ध्यान क्रियाओं का अभ्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से शरीर को ऊर्जा, मन को स्थिरता तथा जीवन को संतुलन प्राप्त होता है। योग मानसिक शांति, एकाग्रता और आत्मविश्वास को भी सुदृढ़ बनाता है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर योग के जनआंदोलन को मजबूत बनाएं। उन्होंने कहा कि योग को केवल एक दिवस तक सीमित न रखकर इसे स्वस्थ जीवनशैली का स्थायी आधार बनाया जाना चाहिए।

कांग्रेस ने अन्य विपक्षी दलों को महिला आरक्षण विधेयक का विरोध करने के लिए उकसाया : रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने संसद में महिला आरक्षण विधेयक के पारित नहीं होने को बहुत निराशाजनक बताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि देश की महिलाओं को न्याय जरूर मिलेगा जैसा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बार-बार कहा है।

संसदीय और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री रीजीजू ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक में संशोधन बहुत अहम है। उन्होंने मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह दूसरे दलों को इस विधेयक का विरोध करने के लिए 'उकसा' रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जो लोग संविधान संशोधन विधेयक का विरोध कर रहे थे, वे 'समझदारी' दिखाएंगे और इसका समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए दो-तिहाई बहुमत की संवैधानिक जरूरत होती है और सरकार सभी विपक्षी दलों से ईमानदारी से अपील करती है कि वे सरकार के सभी विधेयकों का समर्थन करें।

मंत्री ने कहा कि विधेयकों को पारित कराने के लिए सभी दलों से समर्थन मांगना सरकार का कर्तव्य है, लेकिन इसे कैसे पारित किया जाए और कब पारित किया जाए, इस पर बाद में चर्चा की जाएगी।

महिला आरक्षण बिल पर सरकार के आगे के कदम के बारे में पूछे जाने पर रीजीजू ने कहा, ''मैंने कहा था कि जब महिला आरक्षण विधेयक विफल हो गया था, तो हम बहुत दुखी थे। हमें दुख था कि विधेयक पास नहीं हो सका क्योंकि इसके लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल पाया। लेकिन प्रधानमंत्री ने कई बार कहा है कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि भारत की महिलाओं को न्याय मिले, क्योंकि यह देश की 50 प्रतिशत आबादी से जुड़ा मामला है। इसलिए सभी राजनीतिक पार्टियों से अपील करना मेरा कर्तव्य है कि वे सभी विधेयकों का समर्थन करें, क्योंकि ये सभी विधेयक हमारे लिए जरूरी हैं।''

यह पूछे जाने पर कि क्या महिला आरक्षण विधेयक को दोबारा लाने के लिए दूसरी राजनीतिक पार्टियों के साथ कोई अनौपचारिक बातचीत हुई है, मंत्री ने कहा कि ऐसी किसी अनौपचारिक बातचीत की जरूरत नहीं है क्योंकि सरकार ने उनसे सीधे तौर पर अपील की है। उन्होंने कहा, ''जब हम उनसे मिले - उन सभी से - तो कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी थी जिसने विपक्षी पार्टियों को सरकार द्वारा बुलाई गई बातचीत की बैठक में शामिल न होने के लिए उकसाया। हमने समाजवादी पार्टी समेत सभी अहम पार्टियों के साथ बैठक की थी, और असल में हमने जो प्रस्ताव उनके सामने रखा था, उस पर वे काफी हद तक सहमत थे और उन्होंने उसकी तारीफ भी की थी। हमने उन्हें जानकारी दी थी।

रीजीजू ने कहा, ''लेकिन हो सकता है कि वे कांग्रेस के दबाव में आ गए हों और इसलिए बिल का समर्थन न करने का फ़ैसला किया हो। लेकिन मुझे उम्मीद है कि भविष्य में सभी को समझ आएगी और वे महिला आरक्षण बिल का समर्थन करेंगे।''मोदी सरकार को 17 अप्रैल को एक झटका लगा था, जब 2029 में विधायिकाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने और लोकसभा सीट की संख्या बढ़ाकर 816 करने वाला संविधान संशोधन विधेयक पारित नहीं हो सका।

भाजपा सांसद कंगना पर 'आपत्तिजनक' पोस्ट के लिए सपा विधायक के खिलाफ प्राथमिकी

प्रतापगढ़ (उप्र)/भाषा। भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में समाजवादी पार्टी (सपा) के एक विधायक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। साइबर पुलिस थाना प्रभारी राजीव कुमार तिवारी ने कहा कि रानीगंज के सपा विधायक राकेश कुमार वर्मा का कथित तौर पर सोशल मीडिया पर रनौत के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का एक वीडियो वायरल हुआ था। उन्होंने बताया कि वीडियो के आधार पर भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष अंशुमान सिंह ने शिकायत देकर आरोप लगाया कि सपा विधायक ने महिला सांसद के खिलाफ अनुचित टिप्पणी की है। पुलिस ने वर्मा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 352 (शांति भंग करने के लिए जानबूझकर अपमान) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रावधानों सहित संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की।

देश भर में जंगलों को बचाने की जरूरत : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूरे भारत में जंगलों को बचाने की जरूरत है। न्यायालय ने कहा कि झारखंड जैसे कुछ राज्यों में प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र हैं जिन्हें सहेजकर रखना आवश्यक है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ ने झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जेएसपीसीबी) की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान ये टिप्पणियां कीं। पीठ ने जेएसपीसीबी की ओर से पेश वकील से कहा, कुछ ही राज्य ऐसे हैं, जहां हम सचमुच प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को बचा सकते हैं और आप (झारखंड) उनमें से एक हैं। उसने कहा कि कुछ राज्यों में जंगल जैसी प्राकृतिक सुंदरता वाली जगहें हैं, जिन्हें बचाने की जरूरत है। शीर्ष अदालत झारखंड उच्च न्यायालय के एक आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। उच्च न्यायालय ने अप्रैल में जंगलों या वन भूमि की सीमाओं के पास पत्थरों के उत्खनन या पत्थर तोड़ने वाली मशीनें स्थापित करने के लिए मंजूरी के सिलसिले में कई दिशा-निर्देश जारी किए थे।

झारखंडः लावारिस कार के अंदर फंसी पांच साल की बच्ची, मौत

चाईबासा/भाषा। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में एक खड़ी कार के अंदर फंसने के बाद कथित तौर पर दम घुटने से पांच साल की एक बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना बुधवार शाम चाईबासा सदर थाना क्षेत्र के तुंगरी में हुई। एसडीपीओ (चाईबासा) बहामन तूती ने भाषा को बताया कि बच्ची, ईशानी गोप, तुंगरी रेलवे ओवरब्रिज के पास एक सरकारी स्कूल से अपने चचेरे भाई के साथ घर लौट रही थी। तभी वह खेल-खेल में लावारिस वाहन के अंदर घुस गई। तूती ने बताया कि पता नहीं कैसे कार अंदर से बंद हो गई और उसका चचेरा भाई उसे खोल नहीं सका। अधिकारी ने कहा कि संभवत: दम घुटने के कारण बच्ची जल्द ही बेहोश हो गई। इसके बाद उसे चाईबासा सदर अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम किया गया। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा कि अब तक किसी ने शिकायत दर्ज नहीं कराई है लेकिन हम पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मामले की जांच करेंगे।

भाजपा लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर रही, 2027 में भारी कीमत चुकाएगी : अखिलेश

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि लोकतंत्र में जनता ही असली ताकत है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी को 2027 के विधानसभा चुनावों में इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। सपा की ओर से जारी बयान के मुताबिक, अखिलेश ने लखनऊ में पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आए नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राज्य की जनता सतर्क है और भाजपा का कोई छल, बल और चाल कामयाब नहीं होगी। उन्होंने कहा कि जनता भाजपा के झूठ और लूट को समझ चुकी है। अखिलेश ने कहा, प्रदेश में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं। महिलाएं, बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। कन्नौज, कौशांबी, प्रतापगढ़, गाजीपुर, हाथरस, कानपुर समेत तमाम जिलों में बच्चियों की निर्मम हत्याएं हुई हैं। पीड़ितों को न्याय नहीं मिला। भाजपा सरकार में दोषियों को बचाया जाता है और निर्दोषों के साथ अत्याचार होते हैं। भाजपा सरकार ने सपा सरकार में महिला सुरक्षा के लिए बनाई गई 1090 सेवा को निष्क्रिय कर दिया।

बड़े पैमाने पर योग दिवस मनाने की हो रही तैयारी, कोलकाता में होगा मुख्य कार्यक्रम : जाधव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 बहुत बड़े पैमाने पर मनाने की तैयारी कर रहा है और इसका मुख्य राष्ट्रीय कार्यक्रम 21 जून को कोलकाता के रेड रोड पर आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शामिल होंगे।

यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जाधव ने कहा कि इस वर्ष की थीम 'योग फॉर हेल्दी एजिंग' बदलती जीवनशैली और उम्रदराज होती आबादी के संदर्भ में योग की बढ़ती उपयोगिता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक स्थिरता और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा, ''यह सिर्फ एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि भारत की ज्ञान परंपरा के उस राष्ट्रीय उत्सव की शुरुआत है, जिसने दुनिया को संतुलन, शांति और सर्वांगीण कल्याण का एक सशक्त मार्ग दिखाया है।''

मंत्री ने कहा कि योग अब भारत की सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा होने से कहीं आगे बढ़कर, सेहत और तंदुरुस्ती के लिए एक वैश्विक आंदोलन के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) दुनिया भर में लगभग 1,300 स्थानों पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम आयोजित कर रही है, जो योग की बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता को दर्शाता है। जाधव ने कहा कि आयुष मंत्रालय ने ''योग 365'' पहल शुरू की है, ताकि लोगों को योग को केवल एक दिन तक सीमित रखने के बजाय, इसे पूरे साल अपनी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

पात्र लाभार्थियों के लिए करीब तीन करोड़ नए राशन कार्ड जारी होने की संभावनाः केंद्र

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बृहस्पतिवार को कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) से 2.21 करोड़ अपात्र लाभार्थियों को हटाए जाने के बाद अब पात्र लोगों के लिए लगभग तीन करोड़ नए राशन कार्ड जारी किए जाने की गुंजाइश है। उन्होंने यहां स्मार्ट भंडारगृह प्रणाली के उद्घाटन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह हटाने की प्रक्रिया राज्य सरकारों द्वारा उनके अपने मानदंडों के आधार पर की गई है, केंद्र सरकार ने कोई राशन कार्ड नहीं हटाया है। खाद्य मंत्रालय ने मृत व्यक्तियों, आयकरदाताओं और चार पहिया वाहन मालिकों सहित 8.51 करोड़ अपात्र लाभार्थियों की पहचान कर सूची राज्यों को कार्रवाई के लिए भेजी थी।

आम श्रद्धालुओं के लिए अयोध्या पहुंचना मुश्किल हुआ : बृजभूषण सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोंडा/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने अयोध्या में की गई सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि आम श्रद्धालुओं के लिए वहां पहुंचना कठिन हो गया है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने राम मंदिर आंदोलन को मजबूत किया, वही आज सबसे ज्यादा उपेक्षित महसूस कर रहे हैं।

राम मंदिर आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले बृजभूषण ने भाजपा नेता विनय कटियार के उस बयान का समर्थन किया, जिसमें उन्होंने आंदोलन से जुड़े लोगों की उपेक्षा का मुद्दा उठाया था। बृजभूषण ने कहा कि यह सवाल पूरी तरह सही है कि मंदिर निर्माण के

बाद सबसे ज्यादा परेशानी उन्हीं लोगों को हुई, जिन्होंने आंदोलन में बड़ा योगदान दिया था। उन्होंने कहा, राम मंदिर आंदोलन में देवीपाटन, बस्ती मंडल और अयोध्या से जुड़े लोगों ने धन, जनशक्ति और हरसंभव सहयोग दिया था। पहले हजारों श्रद्धालु नियमित रूप से अयोध्या जाकर नागेश्वर नाथ मंदिर और हनुमानगढ़ी में दर्शन करते थे। कई लोग दर्शन किए बिना पानी तक नहीं पीते थे। बृजभूषण ने दावा किया कि अयोध्या और उसके आसपास लगाए गए सुरक्षा बैरियर 200 रुपए देने पर हटा दिए जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के साथ-साथ अयोध्या के स्थानीय लोगों को भी सुरक्षा के नाम पर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बृजभूषण ने कहा कि वह खुद अभी तक राम मंदिर के दर्शन करने नहीं गए हैं।

उन्होंने कहा कि जब आंदोलन से जुड़े वरिष्ठ नेता विनय कटियार को भी दर्शन के दौरान पहचान और पास संबंधी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है, तो आम श्रद्धालुओं की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। पूर्व सांसद ने कहा, हमको तो दर्शन करने जाने भी नहीं देंगे। सब लड्डू बजा देंगे। हमसे तो नाराज रहते हैं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के लिए दर्शन व्यवस्था को अधिक सहज और सरल बनाया जाना चाहिए।

झारखंडः रांची में आरएसएस कार्यालय पर पेट्रोल बम फेंकने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

रांची/भाषा। झारखंड के रांची में आरएसएस कार्यालय पर कथित तौर पर पेट्रोल बम फेंकने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपियों को बुधवार देर रात लोहरदगा जिले से पकड़ा गया और उनके द्वारा इस्तेमाल की गई एक कार जब्त कर ली गई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने आरोप लगाया था कि बुधवार तड़के निवारणपुर इलाके में उसके कार्यालय पर पेट्रोल बम फेंके गए, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया।

रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन ने बताया, इस मामले के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को मौके से कांच की बोतलों के टुकड़े बरामद हुए थे। पुलिस के अनुसार, बोतलों में मौजूद सामग्री का पता लगाने के लिए एक फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का दौरा किया। बम निरोधक दस्ते ने आरएसएस कार्यालय का भी दौरा किया। एक अन्य अधिकारी ने कहा, ''बोतलों में मौजूद सामग्री के पेट्रोल होने का संदेह है, आईईडी या बम जैसी कोई विस्फोटक वस्तु नहीं मिली।''

ट्रंप के साथ प्रधानमंत्री की 'मित्रता' राष्ट्रीय हितों से ऊपर नहीं हो सकती : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर 'जी-7' शिखर सम्मेलन के दौरान भारतीय हितों को लेकर चुप्पी साधने का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी ''मित्रता'' को भारत के राष्ट्रीय हितों से ऊपर नहीं रखना चाहिए।

पार्टी के विदेश विभाग के प्रमुख सलमान खुर्शीद ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा सरकार यह याद रखेंगे कि द्विपक्षीय संबंध व्यक्तियों के बीच नहीं, बल्कि देशों के बीच होते हैं। खुर्शीद ने बयान में कहा, ''कांग्रेस को आशा थी कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फ्रांस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन का उपयोग 'ग्लोबल साउथ' में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका को दृढ़ता से स्थापित करने तथा भारत की ऊर्जा संप्रभुता, आर्थिक हितों और रणनीतिक स्वायत्तता का मुखरता से बचाव करने के अवसर के रूप में करेंगे।'' उन्होंने कहा कि इस शिखर सम्मेलन ने सरकार के दावों और वास्तविक उपलब्धियों के बीच एक चिंताजनक अंतर को उजागर किया है। कांग्रेस नेता ने कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप के साथ ''घनिष्ठ मित्रता'' के दावों के विपरीत, प्रधानमंत्री मोदी न तो भारत की ऊर्जा संप्रभुता की रक्षा करते हुए स्पष्ट और दृढ़ रुख अपना सके और न ही अमेरिकी विदेशी संपदा नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) से प्रतिबंधों में ऐसी छूट हासिल कर सके, जिससे रूस से तेल का आयात जारी रखा जा सकता हो।'' उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान संघर्षविराम कराने का श्रेय लिए जाने के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी का रहस्यमय ढंग से मौन रहना भी गंभीर चिंता का विषय है।

खुर्शीद ने दावा किया, ''इस मौन की केवल दो ही व्याख्याएं हो सकती हैं। या तो उन्होंने राष्ट्रपति के दावे को मौन स्वीकृति दे दी या फिर सार्वजनिक रूप से उसका खंडन करने की इच्छा नहीं दिखाई। इससे भारत की उस दीर्घकालिक विदेश नीति को भी आघात पहुंचता है, जिसके अनुसार द्विपक्षीय मामलों में किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की जाती।''

झारखंड में राज्यसभा चुनाव में हुई 'क्रॉस वोटिंग', राजग समर्थित उम्मीदवार को मिली जीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड में बृहस्पतिवार को राज्यसभा की दो सीटों के लिए हुए चुनाव में एक सीट पर 'क्रॉस-वोटिंग' के बीच राजग समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी ने कांग्रेस प्रत्याशी प्रणव झा को हरा दिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। दूसरी सीट से सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के उम्मीदवार बैद्यनाथ राम निर्वाचित हुए।

अधिकारी ने बताया कि नाथवानी को 28 वोट मिले, जिसके बाद उन्हें विजेता घोषित किया गया। झा को 20 वोट हासिल हुए। अधिकारी के अनुसार राम को चुनाव में 30 वोट मिले, जबकि तीन वोट - भाजपा के दो और कांग्रेस का एक अमान्य पाए गए।

विधानसभा में भाजपा नीत राजग के विधायकों की संख्या 24 है, जो राज्यसभा की एक सीट पर जीत सुनिश्चित करने के लिए 81 सदस्यीय विधानसभा में आवश्यक 28 प्रथम वरीयता मतों से चार कम है। झामुमो और कांग्रेस के सत्तारूढ़ 'इंडिया' गठबंधन के सदन में 56 सदस्य हैं।

नाथवानी की जीत के तुरंत बाद

कांग्रेस ने भाजपा पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि उसने झारखंड में विधायकों की खरीद-फरोख्त को बढ़ावा दिया। कांग्रेस की मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा, भाजपा ने एक कॉर्पोरेट व्यक्ति को निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतारा और पैसे के दम पर चुनाव जीता। भाजपा विधायकों की खरीद-फरोख्त को बढ़ावा दे रही है। हालांकि हमें खुशी है कि कांग्रेस के सभी विधायक एकजुट रहे और उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार के पक्ष में मतदान किया। चुनाव में पोलिंग एजेंट रहे झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के. राजू ने हार के लिए सहयोगी दलों राष्ट्रीय जनता दल और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने पत्रकारों से कहा, राजद और भाकपा माले लिबरेशन ने हमें धोखा दिया। उन्होंने हमें वोट नहीं दिया और इसी वजह से हम हार गए। हमें झामुमो के चार वोट मिले और कांग्रेस के सभी विधायकों ने हमारे उम्मीदवार के पक्ष में मतदान किया। जब उनसे पूछा गया कि क्या इस नतीजे का गठबंधन पर असर पड़ेगा, तो उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ चर्चा करेंगे।

भारत के लिये सर्वाधिक मैच खेलने वाले हॉकी स्टार मनप्रीत सिंह ने फिटनेस को दिया श्रेय, विराट कोहली आदर्श

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के लिये सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैच खेलने वाले मनप्रीत सिंह ने इतने लंबे कैरियर का श्रेय फिटनेस को देते हुए कहा कि वह इस मामले में चैम्पियन क्रिकेटर विराट कोहली का अनुसरण करते हैं।

मनप्रीत ने बुधवार को एफआईएच प्रो लीग में जर्मनी के खिलाफ मैच के दौरान भारत के पूर्व कप्तान और हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की का 412 अंतरराष्ट्रीय मैचों का रिकॉर्ड तोड़ा।

अब 413 मैचों के साथ वह सर्वकालिक सूची में पांचवें स्थान पर हैं और शीर्ष पांच में अकेले सक्रिय खिलाड़ी हैं।

इस अनुभवी मिडफील्डर ने रोटरडम से मीडिया से आनलाइन बातचीत में कहा ,'' सभी को पता है कि विराट फिटनेस को कितनी अहमियत देते हैं। मेरे लिये ही नहीं बल्कि हर खिलाड़ी के लिये वह आदर्श है। हर कोई उनसे सीखता है कि शीर्ष स्तर पर लगातार अच्छा खेलने के लिये कैसे फिट रहना है।'' उन्होंने कहा ,'' मैंने भी उनसे काफी कुछ सीखा है। वह मैदान पर

आक्रामक रहते हैं और अपना शत प्रतिशत देते हैं। वह भी मेरी तरह क्रिस्टियानो रोनाल्डो के प्रशंसक हैं। वह भी काफी ध्यान रखते हैं कि क्या खाना है और क्या नहीं।''

टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत को 41 साल बाद कांस्य पदक दिलाने वाले पूर्व कप्तान ने कहा कि भारत के लिये लंबे समय तक खेलने की ललक ने उन्हें फिटनेस बनाये रखने के लिये प्रेरित किया। उन्होंने कहा ,''भारत के लिये खेलते रहने की ललक ने मुझे फिटनेस बनाये रखने के लिये प्रेरित किया। विश्व स्तरीय हॉकी में फिट रहना बहुत जरूरी है और उम्र के साथ मैंने इस पर अधिक ध्यान देना शुरू किया है।'' उन्होंने यह भी कहा कि उनकी ख्वाहिश विश्व कप में पदक और ओलंपिक स्वर्ण जीतने की है। उन्होंने कहा ,'' मेरा सपना ओलंपिक स्वर्ण और विश्व कप में पदक जीतना है। मुझे पता है कि युवाओं से प्रतिस्पर्धा के लिये फिट रहना जरूरी है। मेरा परिवार मुझे हमेशा इसके लिये प्रेरित करता है।''

मनप्रीत ने अगले लक्ष्य के बारे में कहा ,'' मैं लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेलना चाहता हूं लेकिन उसके लिये फिट रहना होगा। मैं इस पर मेहनत कर रहा हूं। एशियाई खेलों के बाद अपनी फिटनेस का आकलन करूंगा और लगता है कि पूरी तरह फिट नहीं हूं तो फैसला लूंगा।''

कमर की चोट के साथ विश्व चैम्पियनशिप खेलना सही फैसला नहीं था : नीरज चोपड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दोहा/भाषा। भारत के भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग के जरिये सत्र की शुरुआत से पहले स्वीकार किया कि पिछले साल कमर की चोट के साथ विश्व चैम्पियनशिप में उतरने का फैसला सही नहीं था।

टोक्यो ओलंपिक चैम्पियन और पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता चोपड़ा सितंबर 2025 में टोक्यो विश्व चैम्पियनशिप में 84.03 मीटर के थ्रो के साथ निराशाजनक आठवें स्थान पर रहे। चैम्पियनशिप के बाद उन्होंने

बताया कि उनकी कमर के निचले हिस्से में चोट है। उन्हें इससे उबरने में समय लगा और इसी वजह से सत्र की शुरुआत में देरी हुई। उन्होंने शुक्रवार को दोहा डायमंड लीग से पहले कहा ,''टोक्यो विश्व चैम्पियनशिप से पहले मुझे चोट लगी थी। हमने काफी मेहनत की और मैंने टोक्यो में भी खेला लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह सही फैसला था क्योंकि मुझे पता था कि कुछ दिक्कत है। लेकिन वह 2025 की आखिरी प्रतियोगिता था तो मैंने खेलने का फैसला किया।'' उन्होंने कहा ,'' एक खिलाड़ी के जीवन में अगर कोई एक चोट है और हम बचाने की कोशिश करते हैं तो दूसरी चोट महसूस होने लगती है। मेरे टखने में, फिर कंधे में दिक्कत थी। मैंने अपनी टीम और फिजियो के साथ मिलकर हर चोट पर काम किया।'' चोपड़ा ने कहा ,'' अब मैं फिट महसूस कर रहा हूं। देखते हैं कि कल कैसा रहता है।'' दोहा में उन्होंने विश्व रिकॉर्डधारी जान जेलेज्नी के कोच रहते 90 मीटर का आंकड़ा पार किया था।

सुविचार

पेड़ की शाखा पर बैठा पंछी कभी डाली टूटने से नहीं डरता, क्योंकि उसका भरोसा डाली पर नहीं, अपने पंखों पर होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ट्रंप का वचन, नया धोखा या भ्रम?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्रांस के एवियन शहर में जी–7 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वार्ता के दौरान जो टिप्पणियां कीं, उन्हें बहुत गंभीरता से लेने की जरूरत है। उनके ये शब्द क्या संकेत देते हैं– 'भारत और अमेरिका के बीच कोई रक्षा समझौता नहीं है, लेकिन अगर भारत पर कोई हमला होता है तो मदद के लिए अमेरिका मौजूद रहेगा'? कुछ लोग इसे भारत के साथ अमेरिका की मजबूत साझेदारी से जोड़कर देख रहे हैं। हमें इसके दूसरे पक्ष को भी देखना चाहिए। प्राय: डोनाल्ड ट्रंप जैसे बयान देते हैं, उसके बिल्कुल विपरीत काम करते हैं। एक राष्ट्रपति के शब्दों में गंभीरता, दृढ़ता और विश्वसनीयता होनी चाहिए। ट्रंप इन विशेषताओं से कोसों दूर रहते हैं। अपने दूसरे कार्यकाल में उनका बर्ताव एक ऐसे ज़िद्दी बच्चे जैसा है, जिसे मनचाही चीज चाहिए, तुरंत चाहिए, अगर न मिले तो वह तोड़फोड़ मचा देता है और जरूरत पड़ने पर खुलकर झूठ बोलता है। आखिर ट्रंप को भारत की रक्षा की इतनी फिक्र क्यों होने लगी? क्या वे भारत के कोई बड़े हितैषी हो गए हैं? वैसे, ट्रंप को भारत के रक्षा संबंधी मामलों की फिक्र करने की कोई जरूरत नहीं है। इसके लिए भारत सरकार है, मजबूत सशस्त्र बल हैं और करोड़ों देशभक्त नागरिक हैं। जिस दिन कोई दुश्मन इस भारत भूमि पर हमले का दुस्साहस करेगा, उसे करारा जवाब मिलेगा। 'ऑपरेशन सिंदूर' में क्या हुआ था? भारतीय मिसाइलों ने पीओके और पाकिस्तान में सौ से ज्यादा खूंखार आतंकवादियों को उनके ठिकानों समेत मिट्टी में मिला दिया था। भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तानी मिसाइलों और ड्रोनों को खिलौनों की तरह धराशायी कर दिया था। इसलिए ट्रंप भारत की रक्षा को लेकर बेफिक्र रहें। यह काम हम समस्त देशवासी भलीभांति कर लेंगे।

ट्रंप एक काम जरूर करें। अपने 'आतंकवादी मित्र' पाकिस्तान की मदद बंद करें। उसके प्रधानमंत्री और सेना प्रमुख की शान में झूठी वाहवाही न करें। जब 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान पर जोरदार प्रहार हो रहे थे, तब ट्रंप क्या कर रहे थे? वे पाकिस्तान की हिमायत करने में व्यस्त थे। जिन आतंकवादियों ने पहलगाम में भारतीय नागरिकों की हत्या की थी, क्या ट्रंप ने उन्हें दंडित करने के संबंध में आज तक एक भी शब्द कहा? उन्होंने तो नोबेल शांति पुरस्कार की रट लगा ली थी, जिसके लिए अनगिनत बार झूठ बोले। हाल में जहाज़ों पर अमेरिकी हमले में तीन भारतीयों की मौत हुई, लेकिन ट्रंप ने क्या कहा? यही कि 'यह बहुत सख़्त पेशा है और हम इन लोगों से प्यार करते हैं और इस पर ज़रूर साथ काम करेंगे!' क्या एक राष्ट्रपति का यह बयान होना चाहिए? ट्रंप एक आत्ममुग्ध व्यक्ति हैं, जो पुराने झूठ को बार–बार दोहराने में अपनी महानता समझते हैं। आज वे किसके साथ खड़े हैं? हम जानते हैं कि वे उन हत्यारों के साथ खड़े हैं, जिनके हाथ बेकसूर हिंदुस्तानियों के खून से रंगे हुए हैं। जब ऐसा व्यक्ति यह कहता है कि 'अगर भारत पर कोई हमला होता है तो मदद के लिए अमेरिका मौजूद रहेगा', तो उस पर बिल्कुल विश्वास नहीं करना चाहिए। क्या ट्रंप के पास ऐसी कोई गुप्त सूचना है कि भारत पर हमला होगा? कहीं वे ऐसे तत्त्वों की कोई मदद तो नहीं कर रहे हैं, जो भारत पर हमला करने के लिए षड्यंत्र रचते हैं? हमारे देश के लिए इन खतरों का सामना कोई नई बात नहीं है। पाकिस्तान और चीन हमारे साथ खुली दुश्मनी रखते हैं। हाल के वर्षों में बांग्लादेश और मालदीव जैसे देश भी आंखें दिखाने लगे हैं। नक्सलवाद दम तोड़ चुका है, लेकिन उग्रवाद के किसी नए स्वरूप से इन्कार नहीं किया जा सकता है। भारत को बहुत सावधान रहना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज में 5 पोस्टपार्टम महिलाओं की मौत का कारण, जो जांच रिपोर्ट में सीधे तौर पर 'इलाज में लापरवाही' के तौर पर सामने आया है, बहुत गंभीर, परेशान करने वाला और माफ़ करने लायक नहीं है।

–अशोक गहलोत

चमक उठी सन सत्तावन में, वो तलवार पुरानी थी, खूब लड़ी मर्दानी वो तो झांसी वाली रानी थी। अदम्य साहस और स्वाभिमान की प्रतीक, मातृभूमि की रक्षा हेतु सर्वस्व न्यौछावर कर देने वाली महान वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई जी की पुण्यतिथि पर कोटि–कोटि नमन।

–वासुदेव देवनानी

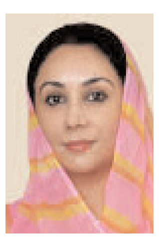

आज पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट के अधिकारियों के साथ एक मीटिंग हुई, जिसमें बजट घोषणाओं और उन्हें टाइम पर पूरा करने पर डिटेल में रिव्यू किया गया।मीटिंग में राज्य के ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे से जुड़े कामों को तेज़ी से पूरा करने पर चर्चा हुई।

–दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

धैर्य से सफलता

प्रसिद्ध इतिहासकार थॉमस कार्लाइल कई वर्षों से दी फ्रेंच रेवोल्युशन नामक पुस्तक लिख रहे थे। वर्षों की मेहनत के बाद उन्होंने उसका पहला मसौदा तैयार किया और अपने मित्र को पढ़ने के लिए दे दिया। कुछ दिनों बाद मित्र ने दुखी होकर बताया कि घर की नौकरानी ने उन कागजों को बेकार समझ कर अधिकांश पांडुलिपि जला दी है। यह सुनकर कार्लाइल टूट गए। वर्षों की मेहनत राख हो चुकी थी। कई दिनों तक वे निराश रहे। एक दिन टहलते समय उनकी नज़र एक मजदूर पर पड़ी जो धैर्यपूर्वक एक–एक ईंट जोड़कर दीवार बना रहा था। अचानक कार्लाइल के मन में विचार आया, 'यह दीवार भी एक–एक ईंट से बनी है। मेरी पुस्तक भी एक–एक पृष्ठ लिखकर तैयार हुई थी। यदि मैं इसे एक बार लिख सकता हूं, तो दोबारा भी लिख सकता हूं।' वे तुरंत घर लौटे और फिर से लिखना शुरू कर दिया। महीनों की मेहनत के बाद पुस्तक पुन: तैयार हुई और प्रकाशित होने पर उसे व्यापक सराहना मिली। उस दिन कार्लाइल ने सीखा कि जीवन में सफलता प्रतिभा से नहीं, बल्कि विपरीत परिस्थितियों में दोबारा खड़े होने के साहस से मिलती है।

सामयिक

आखिरी आदमी की सांसों में बसा कर्मयोद्धा नेता

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में कुछ व्यक्तित्व केवल राजनीतिक नेतृत्व तक सीमित नहीं रहते, वे एक युग का निर्माण करते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व ऐसा ही एक युगबोध बनकर उभरा है। जून 2026 में उन्होंने स्वतंत्र भारत के इतिहास में लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने का नया कीर्तिमान स्थापित किया। यह उपलब्धि केवल दिनों की संख्या का रिकॉर्ड नहीं है, बल्कि उस विश्वास, जनसमर्थन और विकास–यात्रा का प्रतीक है, जिसने भारत की राजनीति, अर्थव्यवस्था, शासन–प्रणाली और वैश्विक छवि को नई दिशा दी है। लोकतंत्र में किसी नेता की वास्तविक सफलता उसके पद की अवधि से नहीं, बल्कि उसके कार्यों के प्रभाव से मापी जाती है। यदि शासन की कसौटी अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है, तो मोदी युग का सबसे बड़ा योगदान यही है कि उसने विकास को सरकारी फाइलों और घोषणाओं से निकालकर सामान्य नागरिक के जीवन तक पहुंचाया है। यह वही अवधारणा है जिसे पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय' कहा था–समाज के अंतिम व्यक्ति का उदय। स्वतंत्रता के बाद भारत ने लंबी विकास यात्रा तय की है। जवाहरलाल नेहरू ने नवस्वतंत्र भारत की संस्थागत नींव रखी। लोकतंत्र, वैज्ञानिक चिंतन, सार्वजनिक संस्थानों, शिक्षा, अनुसंधान तथा औद्योगिक विकास की आधारशिला उन्हीं के समय में रखी गई। किंतु समय के साथ यह भी स्पष्ट हुआ कि योजनाएं बनाना और उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना दो अलग–अलग चुनौतियां हैं। दशकों तक सरकारी योजनाओं और लाभार्थियों के बीच बिचौलियों की एक लंबी श्रृंखला खड़ी रही, जिसके कारण विकास का बड़ा हिस्सा रास्ते में ही समाप्त हो जाता था। वर्ष 2014 में जब नरेंद्र मोदी ने देश की बागडोर संभाली, तब भारत अनेक चुनौतियों से जूझ रहा था। आर्थिक सुस्ती, भ्रष्टाचार के आरोप, अधूरी परियोजनाएं, प्रशासनिक जड़ता और जनता में घटता विश्वास प्रमुख चिंताएं थीं। ऐसे समय में उन्होंने शासन की परंपरागत शैली को बदलते हुए तकनीक, पारदर्शिता और जवाबदेही को केंद्र में रखा। यह परिवर्तन केवल नीतियों का नहीं, बल्कि शासन के दर्शन का परिवर्तन था।

मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) प्रणाली का विस्तार है। जनधन खाते, आधार और मोबाइल तकनीक को जोड़कर एक ऐसी व्यवस्था विकसित की गई, जिसने सरकारी सहायता को सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाना संभव बनाया। इससे न केवल भ्रष्टाचार और रिसाव में कमी आई, बल्कि करोड़ों लोगों को पहली बार यह अनुभव हुआ कि सरकार वास्तव में उनके द्वार तक पहुंच सकती है। गरीब, किसान, महिला, छात्र, वृद्ध और श्रमिक–सभी वर्गों को इसका लाभ मिला। वित्तीय समावेशन की दिशा में जनधन योजना ने ऐतिहासिक भूमिका निभाई। जिन परिवारों के पास कभी बैंक खाता नहीं था, वे औपचारिक बैंकिंग प्रणाली का हिस्सा बने। यह केवल

बैंक खाते खोलने की योजना नहीं थी, बल्कि आर्थिक सशक्तीकरण का एक नया अध्याय था। इसी प्रकार उज्ज्वला योजना ने करोड़ों महिलाओं को धुएं से भरे रसोईघरों से मुक्ति दिलाई। स्वच्छ ईंधन ने उनके स्वास्थ्य, सम्मान और जीवन की गुणवत्ता में सकारात्मक परिवर्तन किया।

मोदी युग की एक बड़ी पहचान आधारभूत संरचना का अभूतपूर्व विस्तार भी है। सड़कों, एक्सप्रेस–वे, रेलवे, मेट्रो, हवाई अड्डों, बंदरगाहों और डिजिटल नेटवर्क के क्षेत्र में जिस गति से कार्य हुआ, उसने विकास को नए पंख दिए। आज छोटे शहर भी हवाई संपर्क से जुड़ रहे हैं। गांवों तक सड़कें पहुंच रही हैं। रेलवे का तीव्र आधुनिकीकरण हो रहा है। वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेनें भारत की तकनीकी क्षमता और आत्मविश्वास का प्रतीक बन गई हैं। आवास योजना के माध्यम से करोड़ों गरीब परिवारों को पक्के घर उपलब्ध कराए गए। जिन लोगों ने वर्षों तक कच्ची झोपड़ियों में जीवन बिताया, उनके लिए अपना घर केवल एक भवन नहीं, बल्कि सम्मान और सुरक्षा का प्रतीक है। इसी प्रकार जल जीवन मिशन ने करोड़ों घरों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का कार्य किया। शौचालय निर्माण अभियान ने स्वच्छता को जनांदोलन का रूप दिया। ये परिवर्तन केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि जीवन स्तर में दिखाई देते हैं।

कृषि क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिले हैं। इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम ने किसानों के लिए आय के नए अवसर खोले हैं। किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि ऊर्जादाता के रूप में भी उभर रहे हैं। जैव ईंधन, प्राकृतिक खेती, कृषि अवसंरचना और तकनीकी नवाचारों के माध्यम से कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के प्रयास किए गए हैं। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिली है। डिजिटल इंडिया अभियान ने भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई है। आज भारत का डिजिटल भुगतान मॉडल दुनिया के लिए अध्ययन का विषय बन गया है। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने आर्थिक लेन–देन को सरल, तेज और पारदर्शी बनाया है। डिजिटल तकनीक का उपयोग केवल सुविधा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह सुशासन का महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, व्यापार और प्रशासन–हर क्षेत्र में डिजिटल क्रांति का प्रभाव दिखाई देता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की प्रतिष्ठा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आज भारत केवल एक विकासशील राष्ट्र के रूप में नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व की क्षमता वाले देश के रूप में देखा जा रहा है। जी–20 की सफल अध्यक्षता, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रभावशाली उपस्थिति, वैश्विक संकटों में संतुलित भूमिका और विकासशील देशों की आवाज बनने का प्रयास भारत की बढ़ती शक्ति को दर्शाता है। इनदिनों के जी–7 शिखर सम्मेलन में सदस्य न होने पर भी मोदी का दबदबा होना–विदेश नीति में आत्मविश्वास और संतुलन के नये स्वर दृशाता है। मोदी युग की एक विशेषता यह भी है कि उसने राष्ट्रवाद को विकास से जोड़ा है। आत्मनिर्भर भारत का संकल्प केवल आर्थिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मविश्वास का अभियान है। रक्षा उत्पादन, अंतरिक्ष अनुसंधान, स्टार्टअप संस्कृति, नवाचार और विनिर्माण क्षेत्र में बढ़ती गतिविधियां इसी सोच का परिणाम हैं। भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता और नवप्रवर्तक बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास–ये केवल राजनीतिक नारे नहीं, बल्कि शासन के मार्गदर्शक सूत्र के रूप में स्थापित हुए हैं। इनका उद्देश्य विकास को समावेशी बनाना है, ताकि समाज का कोई वर्ग पीछे न रह जाए। यही कारण है कि विकास योजनाओं का केंद्र अब वही व्यक्ति है, जो कभी व्यवस्था के हाशिए पर खड़ा था। निस्संदेह, किसी भी लंबे शासनकाल की तरह मोदी सरकार की नीतियों और निर्णयों पर बहस और आलोचना भी होती रही है। लोकतंत्र में यह स्वाभाविक और आवश्यक है। किंतु यह भी सत्य है कि पिछले बारह वर्षों में शासन की कार्यशैली, विकास की गति और नागरिकों की अपेक्षाओं में एक व्यापक परिवर्तन दिखाई देता है। आज नागरिक केवल वादे नहीं सुनना चाहता, बल्कि परिणाम देखना चाहता है। यही लोकतांत्रिक परिपक्वता की पहचान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सबसे बड़ी विशेषता शायद यही है कि उन्होंने शासन को एक जनांदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया है। वे स्वयं को शासक नहीं, बल्कि 'प्रधान सेवक' के रूप में प्रस्तुत करते हैं। उनकी कार्यशैली में निरंतरता, परिश्रम, लक्ष्य के प्रति समर्पण और राष्ट्र को सर्वोपरि रखने का भाव दिखाई देता है। यही कारण है कि वे देश के सबसे लोकप्रिय नेताओं में गिने जाते हैं और विश्व मंच पर भी एक प्रभावशाली व्यक्तित्व के रूप में स्थापित हुए हैं।

वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का संकल्प केवल आर्थिक समृद्धि का लक्ष्य नहीं है। यह एक ऐसे भारत की परिकल्पना है जो आत्मनिर्भर, समावेशी, तकनीकी रूप से उन्नत, सांस्कृतिक रूप से आत्मविश्वासी और सामाजिक रूप से संवेदनशील हो। इस दिशा में मोदी युग ने अनेक आधारभूत परिवर्तन किए हैं, जिनका प्रभाव आने वाले दशकों में और अधिक स्पष्ट होगा। आज जब भारत अमृतकाल की यात्रा पर अग्रसर है, तब यह कहा जा सकता है कि नरेंद्र मोदी का योगदान केवल योजनाओं और परियोजनाओं तक सीमित नहीं है। उन्होंने करोड़ों भारतीयों में यह विश्वास जगाया है कि परिवर्तन संभव है, विकास सबका अधिकार है और राष्ट्र की प्रगति में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। अंत्योदय से विकसित भारत तक की यह यात्रा उसी विश्वास, संकल्प और कर्मयोग की कहानी है, जिसने आधुनिक भारत के निर्माण को नई गति और नई दिशा प्रदान की है।

नजरिया

समाजवादी पार्टी में टूट! असंभव कुछ भी नहीं

संजय सक्सेना
मोबाइल : 9454105568

चार मई 2026 को पश्चिम बंगाल चुनाव के नतीजे आने से पहले किसी ने सपने में भी किसी ने कल्पना नहीं की होगी कि महीने–डेढ़ महीने में तृणमूल कांग्रेस का बुरी तरह से विभाजन हो जायेगा। पश्चिम बंगाल की तेज तर्रार नेत्री और तब की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की छवि उस समय तक एक ऐसी नेत्री की थी जिसे मोदी के विकल्प के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन बंगाल की हार ने सब कुछ बदल दिया। अब वह नेता ही उनको आईना दिखा रहे हैं जो कल तक उनके नेतृत्व में लोकसभा चुनाव लड़ने की बात कर रहे थे। इसी तरह से आम आदमी पार्टी के सात सांसद भी बिना किसी शोरगुल और सुगबुगाहट के बागी हो गये ओर भाजपा में चले गये। महाराष्ट्र में शिवसेना उद्धव गुट की भी कमोवेश यही स्थिति है। उसके छह सांसदों ने अलग राह पकड़ ली है। उद्धव के लिये शिंदे के बाद यह दूसरा बड़ा झटका है। कुछ वर्ष पूर्व महाराष्ट्र ने शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस में भी टूट देखी थी, जब उनके ही भतीजे अजीत पवार ने बगावत करके अलग न केवल अपनी पार्टी बना ली बल्कि महाराष्ट्र में बीजेपी गठबंधन सरकार का हिस्सा भी बन गये। यह और बात है कि अजीत पवार अब इस दुनिया में नहीं है और उनकी पत्नी पार्टी की कमान संभाले हुए हैं। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद वहां की राजनीति में भी बड़ा देखने को मिल रहा है। डीएमके और कांग्रेस का गठबंधन टूट गया है। बीजेपी की कट्टर विरोधी डीएमके अब मोदी के करीब नजर आ रहे हैं। इसी तरह से आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड भी मोदी सरकार का हिस्सा बनी हुई हैं। खास बात यह है कि जो भी पार्टियां टूटी हैं उसका अलग हुआ धड़ा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा बन कर या अलग रहते हुए भी मोदी के करीब आ गया।

अब ताजा चर्चा उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी में टूट को लेकर हो रही है। सपा टूटेगी इसकी उम्मीद न के बराबर है, लेकिन अन्य राजनैतिक दलों में जिस तरह से टूट देखने को मिली है उससे सपा में टूट की कुछ खबरों पर लोग विश्वास भी कर रहे हैं। इसकी सुगबुगाहट तब शुरू हुई जब सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने दावा किया कि सपा में टूट होने वाली है। राजनीति के कुछ जानकारों का कहना है कि पार्टियों में बगावत कोई नई बात नहीं है। जब किसी पार्टी के नेताओं को लगता है कि उनका नेतृत्व जनता की कसौटी पर खरा नहीं उतर पा रहा है, प्रतिद्वंदियों के सामने कमजोर नजर आ रहा है तब अक्सर कई नेता अपनी सियासत बचाने के लिये पाला बदल लेते हैं। टूट की एक और वजह यह भी नजर आती है कि मुलायम कुनबे में आपसी विश्वास काफी कम हो रहा है। वैसे भी अखिलेश यादव के चचा शिवपाल

हकीकत यह भी है कि राजनीति में बगावत और दल परिवर्तन के पीछे आर्थिक और संस्थागत कारण भी काम करते हैं। केंद्र और राज्यों के बीच संसाधन वितरण, योजनाओं की निजी पहुंच और सत्ता में बने रहने के लाभ अनेक नेताओं को नई राह चुनने के लिये प्रेरित करते हैं। स्थानीय नेताओं के लिए व्यक्तिगत वोट बैंक और क्षेत्रीय समस्याओं का समाधान अक्सर प्राथमिकता बन जाता है, और यदि मौजूदा नेतृत्व उन अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरता तो विद्रोह का रास्ता खुल जाता है।

यादव एक बार सपा से बगावत करके किनारा करने का कारनामा कर चुके हैं। वैसे अखिलेश यादव के खिलाफ गोमती रिवर फ्रंट और खनन घोटालों में भी जांच चल रही है।

बात उत्तर प्रदेश की राजनीति और खासकर समाजवादी पार्टी में बंटवारे के संदर्भ में है तो सवाल यह है कि क्या सपा भी इसी नियति से बच पाएगी? फिलहाल सपा टूटने की संभावनाओं पर अनेकों का विश्वास कम है, पर घटनाक्रमों ने यह बता दिया है कि किसी भी दल के भीतर आपसी विश्वास की कमी, परिवारवादी राजनीति और स्थानीय नेताओं की असंतुष्टि किसी भी समय दरारें पैदा कर सकती है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के दावे ने इसी चर्चा को हवा दी कि सपा में भी वह दरार आ सकती है जो अन्य पार्टियों में देखी गई। राजनीति के जानकार कहते हैं कि बगावत नई बात नहीं; जब किसी पार्टी के नेता महसूस करते हैं कि उनका नेतृत्व जनता के कसौटी पर खरा नहीं उतर रहा, या उनको वैकल्पिक रास्ता नजर आता है, तो वे अक्सर अपनी राजनीतिक जिम्मेदारी बचाने के लिये ही नए गठजोड़ बनाना चुन लेते हैं। यह मनोवृत्ति केवल व्यक्तिगत स्वार्थ नहीं, बल्कि राजनीति की व्यावहारिकता का हिस्सा है।

उधर, मुलायम परिवार के भीतर आपसी भरोसा कम होने की खबरें भी पुराने समय से चली आ रही हैं। परिवारवादी राजनीति में छोटे से विवाद भी बड़े रूप ले सकता है, जैसे पहले शिवपाल यादव ने सपा से किनारा किया था। अखिलेश यादव पर गोमती रिवर फ्रंट माइनिंग घोटाले से जुड़े आरोपों ने भी उनकी छवि को चुनौती दी है। लखनऊ में अखिलेश की लोकप्रियता में पिछले दो वर्षों में गिरावट आई है, विशेषकर शहरी गरीबों और मध्यम वर्ग के बीच जलवायु और शहरी बुनियादी ढांचे की समस्याओं पर उनके नेतृत्व की ज्यादा प्रभावशीलता नहीं रही। स्थानीय नेताओं का मानना है कि जब जनता के मुद्दे जैसे जल निकासी, सड़क की स्थिति और विद्युत वितरण की समस्या सुलझती नहीं, तो नेताओं की नाराजगी बढ़ती है और वे अक्सर पाला बदलने की राह चुनते हैं।

गौरतलब हो, यूपी में सपा का सामाजिक आधार यादव, कुर्मी और कुछ अल्पसंख्यक समूहों पर टिका है, लेकिन पिछले चुनावों में इस आधार में कुछ गिरावट देखी गई है। सपा के वोटर्स का विश्वास कम हुआ है, जो सपा नेताओं के बीच असंतुष्टि को बढ़ावा दे रहा है। ऐसे में स्थानीय और क्षेत्रीय नेताओं की नाराजगी, प्रदेश स्तर पर लोकप्रियता में गिरावट और कानूनी–नैतिक सवाल मिलकर टूट की संभावनाओं को हवा दे सकते हैं। पर सवाल यह भी है कि क्या सपा जैसा संगठन जो व्यापक सामाजिक आधार और मजबूत क्षेत्रीय संगठनात्मक संरचना रखता है, टूट कर छोटे–छोटे धड़ों में बंट पायेगा? इतिहास बताता है कि बड़े संगठन अक्सर पुनर्गठित होकर ही टिकते हैं, पर वक्त–समय पर उनकी दिशा में बड़े बदलाव आ जाते हैं।

इसके साथ ही हकीकत यह भी है कि राजनीति में बगावत और दल परिवर्तन के पीछे आर्थिक और संस्थागत कारण भी काम करते हैं। केंद्र और राज्यों के बीच संसाधन वितरण, योजनाओं की निजी पहुंच और सत्ता में बने रहने के लाभ अनेक नेताओं को नई राह चुनने के लिये प्रेरित करते हैं। स्थानीय नेताओं के लिए व्यक्तिगत वोट बैंक और क्षेत्रीय समस्याओं का समाधान अक्सर प्राथमिकता बन जाता है, और यदि मौजूदा नेतृत्व उन अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरता तो विद्रोह का रास्ता खुल जाता है। यही कारण है कि राजनीतिक स्थिरता अब एक अस्थिर अवधारणा बनती जा रही है। चुनावी हार, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और रणनीतिक समझौते मिलकर नए राजनीतिक नक्शे बनाते हैं। इन परिवर्तनों का सबसे बड़ा असर आम जनता पर पड़ता है। वोटरों के विश्वास को ठेस पहुंचती है जब दल जिन वादों के साथ बनते हैं, वे अचानक ही नजरियों से बदल जाते हैं। क्षेत्रीय मुद्दों और विकास के वादे अगर सत्ता के साथ जुड़कर दब जाते हैं तो स्थानीय जनहित प्रभावित होता है।

अंततः यह राजनीतिक परिदृश्य बताता है कि आज का भारतीय लोकतंत्र अधिक गतिशील और कम पूर्वानुमेय हो चला है। नेताओं की नीतिगत निष्ठा और गठबंधन की राजनीति में लचीलापन, दोनों मिलकर एक ऐसा वातावरण बना देते हैं जहाँ सत्ता और रणनीति का खेल निरंतर चलता रहता है। पश्चिम बंगाल की हार से ममता बनर्जी को जो आईना दिखा है, वह सिर्फ एक नेता की परीक्षा नहीं; वह उस बड़े राजनीतिक बदलाव का प्रतीक है जो देश के कई हिस्सों में धीरे–धीरे आकार ले रहा है। उत्तर प्रदेश और लखनऊ के संदर्भ में, अखिलेश यादव और सपा के परिदृश्य को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि राजनीति में स्थिरता अब पुराना नियम नहीं, बल्कि बदलती परिस्थितियों के अनुरूप नई रणनीतियाँ ही निर्णायक होंगी। सपा में टूट हो या न हो, इस लगातार बदलते चक्र ने एक बात स्पष्ट कर दी है कि राजनीति में नेतृत्व की जनता की कसौटी पर खरा उतरना, स्थानीय मुद्दों पर प्रभावशीलता और आपसी विश्वास की मजबूती ही दल को टिकने और आगे बढ़ने का रास्ता खोल सकती है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वैज्ञानिक आंकड़ों से गंगा की स्वच्छता में सुधार का पता चलता है: एनएमसीजी

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) ने बुधवार को कहा कि गंगा साफ हो रही है या नहीं, यह अब सिर्फ राय का मामला नहीं है और वैज्ञानिक निगरानी से अब नदी की स्थिति में सुधार के सबूत उपलब्ध हैं। 'नमामि गंगे' कार्यक्रम के 12 साल पूरे होने पर एनएमसीजी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हमारे जीवन के अधिकतर समय में, 'क्या गंगा साफ़ हो रही है' यह राय का विषय रहा है। इसने कहा, नमामि गंगे के 12 वर्षों ने इसे बदल दिया है।

आज, इसका जवाब एक माप है।एनएमसीजी के अनुसार, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में पानी की गुणवत्ता की निगरानी करने वाले 112 स्टेशन संचालित हैं, जो घुलित ऑक्सीजन, जैव-रासायनिक ऑक्सीजन की मांग, पीएच और 'फीकल कोलीफॉर्म' को मापते हैं। इसने कहा, हर पैमाना हमें बताता है कि कोई नदी जीवित है या मर रही है। इस मिशन में नदी प्रबंधन में प्रौद्योगिकी और डेटा के इस्तेमाल पर भी ज़ोर दिया गया तथा बताया गया कि 'गंगा नॉलेज पोर्टल' पर 1,380 ज्ञान संसाधन उपलब्ध हैं। पोस्ट में कहा गया, उनसे जो डेटा मिलता है, वह अब किसी फ़ाइल में छिपा हुआ नहीं है। 'गंगा नॉलेज पोर्टल' पर 1,380 ज्ञान संसाधन मौजूद हैं, जो इंटरनेट कनेक्शन वाले किसी भी व्यक्ति के लिए उपलब्ध हैं। लिडार(एलआईडीएआर) मैपिंग। उपग्रह से ली गई तस्वीरें। एआई आधारित विश्लेषण। नदी को उन्हीं उपकरणों से समझा जा रहा है जिनका इस्तेमाल हम धरती का अध्ययन करने के लिए करते हैं।

पीट हेगसेथ का नाटो सहयोगियों पर तीखा हमला, यूरोप में अमेरिकी सैन्य बलों की समीक्षा का ऐलान

ब्रसेल्स/एपी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बृहस्पतिवार को नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) सहयोगी देशों पर तीखा हमला बोला और यूरोप में अमेरिकी सैन्य बलों की छह महीने की पेंटागन समीक्षा की घोषणा की। हेगसेथ ने संकेत दिया कि यह इस बात पर निर्भर करेगी कि यूरोपीय देश अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी कितनी तेजी से स्वयं उठाते हैं। उन्होंने ब्रसेल्स में अपने नाटो समकक्षों से कहा, यह एक वास्तविक समीक्षा होगी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होगा कि नाटो तेजी से और अपरिवर्तनीय रूप से उस दिशा में आगे बढ़े, जिसमें यूरोप नेतृत्व करे और यूरोप की रक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी स्वयं संभाले। हेगसेथ ने ईरान पर हमले करने के लिए यूरोप में अड्डों तक अमेरिकी बलों को पहुंच प्रदान नहीं करने के लिए यूरोपीय सहयोगियों की तीखी आलोचना की और इसे शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा, इन सहयोगी देशों ने हमारे जवानों की सुरक्षा को जोखिम में डाला है। उन्होंने अमेरिकी सैन्य बलों को सैन्य अड्डों तक पहुंच की सुविधा और हवाई मार्गों से गुजरने की अनुमति नहीं दी, जो कभी भी सवालों के घेरे में नहीं होना चाहिए था। बैठक की शुरुआत में अपने संबोधन में हेगसेथ ने यूरोप की आव्रजन और लैंगिक समानता संबंधी नीतियों की भी तीखी आलोचना की। उनकी टिप्पणियां पिछले साल फरवरी में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस के उन बयानों की याद दिलाती हैं, जिनसे कई यूरोपीय देश नाराज हो गए थे।

हेगसेथ ने कहा, टैंकों, लड़ाकू विमानों और वायु रक्षा प्रणालियों पर ध्यान देने के बजाय प्राथमिकता लैंगिक समानता, जलवायु परिवर्तन और रक्षा खर्च में कटौती को दी गई। यूरोप की सीमाएं पूरी तरह खुल गईं, कल्याणकारी योजनाओं का दायरा बढ़ता गया और रक्षा बजट लगातार घटता गया। इसके साथ ही यूरोप का खुद पर और अपनी सभ्यता पर भरोसा भी कमजोर पड़ता गया।

हालांकि, हेगसेथ की टिप्पणियां मौजूदा यूरोपीय नीतियों की तस्वीर पूरी तरह पेश नहीं करतीं। रक्षा के मोर्चे पर यूरोपीय सहयोगी देशों और कनाडा ने रक्षा खर्च बढ़ाने तथा अपनी सेनाओं का विस्तार करने के लिए अभूतपूर्व अभियान शुरू किया है।

प्रदर्शन

मध्य प्रदेश के भोपाल जिले में गुरुवार को कांग्रेस कार्यालय के सामने भाजपा का पुतला दिखाकर विरोध प्रदर्शन करतीं महिला कांग्रेस कार्यकर्ता।

दीया मिर्जा ने जलवायु परिवर्तन पर दिए बयान पर दी सफाई, बोलीं- मेरा निशाना व्यक्ति नहीं, व्यवस्था पर था

मुंबई/एजेन्सी

पर्यावरण संरक्षण के लिए लंबे समय से काम कर रही अभिनेत्री दीया मिर्जा इन दिनों अपने एक बयान को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संकट पर बात करते हुए पुरुषों को लेकर एक ऐसी टिप्पणी की, जिसने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी। बढ़ते विवाद के बीच अब दीया मिर्जा ने खुलकर अपनी बात रखी और कहा कि उनकी बात को गलत तरीके से समझा गया, जबकि वह किसी व्यक्ति विशेष को दोषी नहीं ठहरा रही थीं। उनका मकसद उन व्यवस्थाओं की ओर ध्यान दिलाना था। पूरा विवाद तब शुरू हुआ, जब दीया मिर्जा ने सोहा अली खान के पॉडकास्ट 'ऑल अबाउट हर' में कहा कि पितृसत्ता ही जलवायु परिवर्तन की वजह है। पुरुषों ने ही इसे बढ़ावा दिया है और आज हमारी दुनिया में जो उथल-पुथल मची है और लोग हर जगह जो मुसीबतें झेल रहे हैं, उसके लिए वे पूरी तरह से जिम्मेदार हैं। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर कई लोगों ने उनकी आलोचना की और इसे सभी पुरुषों पर आरोप लगाने के रूप में देखा। देखते ही देखते यह मुद्दा चर्चा का विषय बन गया और अभिनेत्री को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। विवाद बढ़ने के बाद दीया मिर्जा ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया और लिखा, ''चूंकि इस विषय पर बहुत से लोग चर्चा कर रहे हैं, इसलिए इसे जितना सरल हो सके, उतना स्पष्ट करना जरूरी है। मैं अपने इस बयान पर कायम हूं कि पितृसत्तात्मक व्यवस्था ने जलवायु संकट को जन्म दिया है। जलवायु परिवर्तन को अक्सर केवल पर्यावरण से जुड़ा संकट माना जाता है, लेकिन यह असमानता का भी संकट है। सदियों से पितृसत्तात्मक व्यवस्थाओं ने सत्ता को कुछ हाथों में केंद्रित रखा। देखभाल और संरक्षण की बजाय संसाधनों के दोहन को प्राथमिकता दी, और प्रकृति को ऐसी चीजों के रूप में देखा जिनका उपयोग किया जा सकता है, न कि जिनकी रक्षा की जानी चाहिए।''

उन्होंने लिखा, ''ठीक उसी तरह जैसे पितृसत्तात्मक समाजों में अक्सर महिलाओं और लड़कियों के साथ व्यवहार किया जाता है। जंगलों, नदियों, समुद्रों और पूरे इकोसिस्टम को एक वस्तु की तरह देखा गया।

कई बार महिलाओं को भी इसी नजरिए से देखा गया। इस सोच के परिणाम अब इतने स्पष्ट हैं कि उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।''उन्होंने कहा, ऑल अबाउट हर के इस एपिसोड में मैंने और आरती कुमार राव ने यह भी समझाया था कि यह शोषणकारी, संवेदनहीन और नियंत्रण पर आधारित व्यवस्था, जो पूरी तरह पुरुषों के नियंत्रण में रही है, किस तरह ऐसे आर्थिक ढांचे बनाती रही है जो जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देते हैं। यही शोषण और प्रभुत्व पर आधारित व्यवस्थाएं आज भी प्रकृति संरक्षण और महिलाओं के अधिकारों की आवाज उठाने वालों को कमजोर करने और उनकी बातों को खारिज करने में लगी हुई हैं।दीया मिर्जा ने कहा, ''महिलाएं और लड़कियां, खासकर कमजोर और वंचित समुदायों में रहने वाली, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को सबसे पहले झेलती हैं। पानी की कमी, भोजन की असुरक्षा, विस्थापन और आजीविका के नुकसान जैसी समस्याएं सबसे पहले उनके जीवन को प्रभावित करती हैं।

विकास के अवसरों के जरिए टिकाऊ जनसांख्यिकीय बदलाव हासिल किया गया : भारतीय राजदूत

तेल अवीव/भाषा। भारत ने कहा है कि उसने जनसंख्या स्थिरीकरण के लक्ष्य को अधिकार-आधारित, स्वैच्छिक और विकास-उन्मुख दृष्टिकोण के माध्यम से आगे बढ़ाया है।

इजराइल में भारत के राजदूत जे पी सिंह ने बुधवार को तेल अवीव यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय जनसांख्यिकीय रुझान और सार्वजनिक नीति पर आयोजित एक सामूहिक परिचर्चा के दौरान ये बातें कहीं।

सिंह ने कहा कि भारत की रणनीति में आबादी को स्थिर करने के राष्ट्रीय लक्ष्य के साथ-साथ परिवार नियोजन के निजी फैसलों को ध्यान रखा गया है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि प्रजनन से जुड़े फैसले पूरी जानकारी और अच्छी गुणवत्ता वाली सेवाओं तक पहुंच के आधार पर लिए जाएं। उन्होंने कहा, इस दृष्टिकोण को स्वास्थ्य सुविधा, शिक्षा, महिलाओं के सशक्तिकरण और परिवार नियोजन तक बेहतर पहुंच में निवेश से समर्थन मिला है।

सिंह ने कहा, भारत, जहां लगभग 1.4 अरब लोग रहते हैं और जो दुनिया की आबादी का करीब 17 प्रतिशत है, उसने जनसांख्यिकीय बदलाव के लिए लोकतांत्रिक रास्ता अपनाया है।

राष्ट्रीय जनसंख्या नीति (2000) का जिक्र करते हुए, भारतीय राजदूत ने इस बात पर जोर दिया कि यह नीति स्वैच्छिक और सुविचारित चयन, प्रजनन अधिकारों, मां और बच्चे की सेहत और सामाजिक विकास पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि भारत का अनुभव यह दिखाता है कि टिकाऊ जनसंख्या बदलाव जबरदस्ती के उपायों के बजाय विकास और बेहतर मौकों के जरिए हासिल किया जाता है।

प्यार, त्याग और परिवार की अहमियत याद दिलाने वाली फिल्म है 'तेरा मेरा नाता' : दीपिका चिखलिया

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर अभिनेत्री दीपिका चिखलिया इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'तेरा मेरा नाता' को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उनका कहना है कि यह फिल्म सिर्फ मनोरंजन नहीं करती बल्कि लोगों को उन रिश्तों की अहमियत भी याद दिलाती है, जो समय के साथ कहीं पीछे छूटते जा रहे हैं। आईएएनएस संग बातचीत में दीपिका चिखलिया ने फिल्म को लेकर अपने अनुभव साझा किए और बताया कि यह कहानी दर्शकों के दिलों को छूने की क्षमता रखती है। आईएएनएस से बात करते हुए दीपिका चिखलिया ने कहा, ''आज के समय में कहानियां बहुत तेजी से आगे बढ़ती हैं लेकिन कई बार उनमें भावनाओं की गहराई कम दिखाई देती है। 'तेरा मेरा नाता' ऐसी फिल्म है जो प्यार, त्याग और परिवार जैसे मूल्यों को सामने लाती है।'' उन्होंने कहा, ''रिश्ते किसी भी इंसान की जिंदगी की सबसे बड़ी ताकत होते हैं और यह फिल्म इन्हीं रिश्तों की खूबसूरती को दिखाने का प्रयास करती है। फिल्म की कहानी दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ती है और उन्हें अपने परिवार के महत्व का एहसास कराती है। आज जब लोग व्यस्त जीवन में रिश्तों के लिए समय नहीं निकाल पाते, तब ऐसी कहानियां और भी ज्यादा जरूरी हो जाती हैं।''

दीपिका ने 79वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में फिल्म के प्रीमियर को लेकर कहा, ''कान्स में फिल्म को प्रस्तुत करना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात थी। वहां फिल्म को मिली सराहना पूरी टीम के लिए उत्साह बढ़ाने वाली रही। जब किसी भारतीय कहानी को अंतरराष्ट्रीय मंच पर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलती है, तो यह कलाकारों और फिल्म निर्माताओं के लिए गर्व का क्षण होता है। फिल्म को विदेशों में भी लोगों ने काफी पसंद किया।''दीपिका ने अपने को-स्टार सूरज कुमार की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, ''सूरज के साथ काम करना बेहद सुखद अनुभव रहा। उन्होंने अपने किरदार को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाया है। किसी भी फिल्म को मजबूत बनाने में कलाकारों की भावनात्मक जुड़ाव की बड़ी भूमिका होती है और सूरज ने यह जिम्मेदारी बखूबी निभाई है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक भी फिल्म देखते समय उसी भावनात्मक जुड़ाव को महसूस करेंगे, जैसा पूरी टीम ने फिल्म बनाते समय महसूस किया था।''फिल्म में दीपिका चिखलिया और सूरज कुमार के अलावा अंबिका वाणी, पंकज बेरी, मेघना पंचाल और प्रज्ञा मिश्रा जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। चंदा पटेल और स्वतंत्र गोयल के निर्देशन में बनी 'तेरा मेरा नाता' 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'द इंडिया स्टोरी' रिलीज़ से पहले फूड सेफ्टी पर काजल अग्रवाल ने अपनी दमदार पोस्ट से छेड़ी अहम बहस

मुंबई/एजेन्सी

देशभर में फूड एडल्टरेशन यानी खाद्य मिलावट को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच फ़िल्म 'द इंडिया स्टोरी' की अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने एक बार फिर इस गंभीर मुद्दे की ओर सभी का ध्यान खींचा है। हाल ही में अपनी सोशल मीडिया स्टोरी के जरिए उन्होंने भारतीय आमों के निर्यात पर कीटनाशक अवशेष और क्वारंटीन संबंधी चिंताओं को लेकर सामने आई रिपोर्ट्स साझा की है। इस मुद्दे को उन्होंने अपनी आगामी फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' से जोड़ते हुए लिखा है, दुर्भाग्य से यह भारत की कहानी है, ये 'द इंडिया स्टोरी' है। फिलहाल इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई है, क्योंकि फिल्म की कहानी भी खाद्य मिलावट जैसे गंभीर विषय और उसके सार्वजनिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले खतरनाक प्रभावों के इर्द-गिर्द घूमती है। ज़ी स्टूडियोज़ और एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज़ के सहयोग से प्रस्तुत इस फिल्म में काजल अग्रवाल के साथ श्रेयस तलपड़े भी अहम भूमिका में नजर आनेवाले हैं। फिल्म का उद्देश्य उस सच्चाई को सामने लाना है, जो हर दिन लाखों परिवारों को प्रभावित करती है। फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि कहानी और निर्माण सागर बी.शिंदे ने संभाली है। 'द इंडिया स्टोरी' 24 जुलाई 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में रिलीज़ होगी। सामाजिक रूप से प्रासंगिक विषय और प्रभावशाली संदेश के साथ यह फिल्म सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि एक जरूरी राष्ट्रीय चर्चा की शुरुआत करने का लक्ष्य रखती है। फिल्म के सह-निर्माताओं में स्वाति विनायक सैदाने, अनिता जाधव, विनायक सैदाने, कल्पेश शाह, देवयानी खोराते और प्रेम जोशी शामिल हैं। वहीं तकनीकी टीम में सिनेमैटोग्राफर निशांत भागवत, संगीतकार मंगेश धाकड़े, एडिटर आशीष म्हात्रे, गीतकार शकील आज़मी और साउंड डिज़ाइनर अनमोल भावे शामिल हैं।

गुरु रंधावा जिम से जुड़े जिम पर गोलीबारी के मामले में दो लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के पश्चिम विहार में पंजाबी गायक गुरु रंधावा से जुड़े एक जिम के बाहर गोलीबारी करने के आरोप में लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से कथित तौर पर संबंधित दो लोगों को गिरफ़्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से एक घटना से करीब दो हफ़्ते पहले रूस से लौटा था।अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा के सोनीपत जिला निवासी अरमान (19) और तुषार उर्फ़ ताशू उर्फ़ पिंकू (21) को बहादुरगढ़ में एक तलाशी अभियान के बाद पकड़ा गया।

उनके मुताबिक, ये दोनों कथित शूटर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्य अनिल पंडित से जुड़े हैं, जिसके बारे में माना जाता है कि वह अमेरिका से अपना गिरोह चला रहा है।

पुलिस ने बताया कि 11 जून को सुबह करीब चार बजे पश्चिम विहार में बाहरी रिंग रोड पर एक जिम के बाहर मोटरसाइकिल सवार दो हमलावरों ने गोलीबारी की और मौके से भाग गए। इसने कहा कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ था और कारतूस के सात खाली खोखे बरामद किए गए।पुलिस ने बताया कि बाहरी दिल्ली के पश्चिम विहार पूर्वी थाने में मामला दर्ज किया गया। इसने कहा कि अनिल पंडित नाम के सोशल मीडिया अकाउंट से किए गए पोस्ट के वायरल होने के बाद यह घटना चर्चा में आई। इस पोस्ट में लॉरेंस बिश्नोई गिरोह की ओर से हमले की ज़िम्मेदारी ली गई।

पंडित ने बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के साथ गायक की कथित नज़दीकियों का भी ज़िक्र किया। खान को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह गिरोह अपना दुश्मन मानता है। संगठित अपराध की संभावना को देखते हुए अपराध शाखा ने जांच अपने हाथ में ले ली। पुलिस ने बताया कि जांचकर्ताओं ने हमलावरों के भागने के रास्ते का पता लगाया, तकनीकी सबूतों की जांच की और लगभग 100 किलोमीटर तक उनकी गतिविधियों की पड़ताल की।

जिंदगी तय शेड्यूल की तरह नहीं चलती, इसलिए खुद को दोष न दें : ईशा कोप्पिकर

मुंबई/एजेन्सी

साल के बीच का समय अक्सर लोगों के लिए आत्मचिंतन का समय लेकर आता है। जनवरी में बनाए गए नए साल के रेजोल्यूशन जब जून-जुलाई तक पूरे नहीं हो पाते, तो कई लोग खुद को असफल मानने लगते हैं। ऐसे में अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर लोगों को समझाया कि जीवन किसी तय शेड्यूल या चेकलिस्ट की तरह नहीं चलता, ऐसे में किसी भी तरह का अफसोस मनाना सही नहीं है। वीडियो में ईशा कोप्पिकर कहती हैं, ''नए साल की शुरुआत में लोग बड़े सपने और बड़े लक्ष्य बनाते हैं, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है, कई चीजें बदल जाती हैं। कभी जिम जाना छूट जाता है, कभी काम की व्यस्तता बढ़ जाती है, तो कभी निजी जीवन में ऐसे बदलाव आ जाते हैं जिनका असर हमारे पूरे साल के प्लान पर पड़ता है। ऐसे में खुद को दोषी मानना सही नहीं है।'' ईशा ने कहा, ''कई लोग सोचते हैं कि उन्होंने आधा साल बर्बाद कर दिया है, क्योंकि वे अपने तय किए गए लक्ष्य पूरे नहीं कर पाए, लेकिन असली तरक्की हमेशा दिखाई नहीं देती। यह जरूरी नहीं कि सफलता केवल बड़े नतीजों से मापी जाए, बल्कि कई बार हम इस दौरान मानसिक रूप से मजबूत बनते हैं, समझदार होते हैं और खुद को बेहतर तरीके से समझने लगते हैं। यह भी एक तरह की ग्रोथ है, जिसे लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं।'' ईशा ने अपने वीडियो में कहा, ''कई बार लोग केवल इसलिए आगे बढ़ रहे होते हैं क्योंकि उन्होंने कठिन परिस्थितियों को झेला होता है। अगर इस दौरान किसी ने खुद को संभाल लिया है, अपने जीवन में छोटे-छोटे सही फैसले लिए हैं या पहली बार खुद को प्राथमिकता दी है, तो यह भी एक बड़ी उपलब्धि है। लोगों को अपने अंदर इस बदलाव को पहचानना चाहिए और उसे कम नहीं आंकना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''हमें अपने ऊपर बेवजह दबाव नहीं डालना चाहिए। जीवन में कोई तय शेड्यूल नहीं होता, और न ही जीवन कभी सीधा चलता है। हमें कभी रुकना पड़ता है, कभी रास्ता बदलना पड़ता है और कभी गिरकर फिर से उठना पड़ता है। यही जीवन का असली अनुभव है और यही हमें मजबूत बनाता है।'' उन्होंने लोगों से अपील की कि वे पछतावे को छोड़ दें। उन्होंने कहा, ''अगर इस साल की शुरुआत में आपने कोई सपना देखा था, तो वह सपना अभी भी आपका है और खत्म नहीं हुआ है। केवल कुछ समय के लिए आपकी रफ्तार धीमी हुई है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप पीछे रह गए हैं।

'कावाला' गाने में अपने काम से खुश नहीं तमन्ना भाटिया

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर' के हिट गाने 'कावाला' से देशभर में जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की थी। इस गाने में उनके डांस और अंदाज की खूब तारीफ हुई थी, लेकिन अभिनेत्री का मानना है कि वह इसमें और बेहतर प्रदर्शन कर सकती थीं। हाल ही में उन्होंने इस बारे में बात की और बताया कि उस समय उनके मन में क्या चल रहा था। दरअसल, निर्देशक और कोरियोग्राफर फराह खान अपने यूट्यूब व्लॉग के लिए तमन्ना भाटिया के घर पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने तमन्ना के करियर, उनके लोकप्रिय गानों और अभिनय के सफर को लेकर बातचीत की। बातचीत के दौरान जब 'कावाला' गाने का जिक्र आया, तो तमन्ना ने कहा कि वह अपने प्रदर्शन से पूरी तरह संतुष्ट नहीं थीं। उन्होंने कहा, ''जब इस गाने की शूटिंग पूरी हुई, तब मुझे महसूस हुआ कि मैं इससे बेहतर कर सकती थी।'' तमन्ना की बात सुनकर फराह खान ने भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''तमन्ना का स्वभाव ही ऐसा है कि वह हमेशा अपने काम को बेहतर बनाने की कोशिश करती हैं।''उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, ''तमन्ना उन लोगों में से हैं, जिन्हें हर बार लगता है कि वह और अच्छा कर सकती थीं।''इस पर तमन्ना ने भी सहमति जताई और बताया कि वह अपने हर प्रोजेक्ट के लिए पूरी मेहनत करती हैं। उन्होंने कहा, ''मैं ट्रेंड डांसर नहीं हूं, इसलिए किसी भी गाने के लिए मुझे पहले ज्यादा रिहर्सल करनी पड़ती है।''इसी बातचीत में तमन्ना ने अपने दूसरे चर्चित गाने 'आज की रात' का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, ''इस गाने के लिए मैंने करीब 15 दिन रिहर्सल की थी। मैं चाहती थी कि गाने के हर स्टेप और हर एक्सप्रेशन को अच्छी तरह समझकर परफॉर्म करूं। मुझे तैयारी के लिए समय देना पसंद है, इससे मैं बेहतर परफॉर्म कर पाती हूं।''बता दें कि 'कावाला' गाने का म्यूजिक संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया था। इसके बोल अरुणराजा कामराज ने लिखे थे, जबकि इसे मशहूर गायिका शिल्पा राव ने गाया था। वहीं, 'स्त्री 2' फिल्म के सुपरहिट गाने 'आज की रात' का म्यूजिक सचिन-जिगर ने कंपोज किया था। इसके बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे थे और इसमें मधुबंती बागची और दिव्या कुमार ने अपनी आवाज दी थी।

मंत्र आराधना अनुष्ठान का विशेष आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आचार्य श्री महाश्रमण के शिष्य डॉ. मुनिश्री पुलकित कुमारजी के सान्निध्य में 'विघ्न निवारक- सुख शांति प्रदायक मंत्र आराधना अनुष्ठान' का आयोजन श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, चेन्नई एवं नॉर्थ टाउन तेरापंथ परिवार द्वारा आयोजित हुआ। गुरु पुष्य अमृत योग के विशेष अवसर पर आयोजित अनुष्ठान साधकों को संबोधित करते हुए डॉ. मुनिश्री पुलकित कुमारजी ने कहा- जप करने से संताप मिटता है, स्वास्थ्य लाभ के साथ मनोबल मजबूत होता है। मुनिश्री ने अनुष्ठान आराधकों को प्रेरणा देते हुए कहा- गुरु पुष्य अमृत योग के शुभ अवसर पर देव-गुरु-धर्म के प्रति आस्थावान रहते हुए मंत्र आराधना करना अत्यंत फलदायी है। वर्तमान चिकित्सा विज्ञान में भी मंत्र जप को 'वाइब्रेशनल हीलिंग थेरेपी' के रूप में स्वीकार किया गया है।।मंत्र जप से भीतर की शांति का विकास होता है।

परिवार व आस-पास के व्यक्तियों में जितना स्नेह भाव व मधुरता रहेगी उतना ही व्यक्ति क्लेश भावों से बचा रहेगा, क्रूरता भीतर में प्रवेश नहीं करेगी। शांतिपूर्वक जीवन जीने का यही मंगल मंत्र है। मुनिश्री ने उपस्थित श्रावक समाज को अनुष्ठान के अंतर्गत सर्वार्थसिद्धि सीमंधर स्वामी सवा लाख जप करने की प्रेरणा दी। नचिकेता मुनिश्री आदित्य कुमार जी ने मंत्र आराधना करवाते हुए प्रतिदिन मंत्र जप करने की प्रेरणा प्रदान की। डॉ. मुनिश्री ने ज्ञान केंद्र, शांति केंद्र,दर्शन केंद्र, ज्योति केंद्र, प्राणकेंद्र, आनंद केंद्र, स्वास्थ्य केंद्र आदि चैतन्य केंद्रों पर ध्यान करवाते हुए संकल्पयुक्त विविध जैन मंत्रों की आराधना संपन्न करवाई।

एसपीएल-4 का क्वालीफाइनल 21 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री सिवांची जैन युवा मंडल द्वारा आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट एसपीएल-4 बड़े उत्साह और खेल भावना के साथ जारी है। इस टूर्नामेंट के मैच 7 और 14 तारीख को आयोजित किए गए, जिसमें 8 टीमों ने हिस्सा लिया। रोमांचक मुकाबलों के बाद सर्वश्रेष्ठ 4 टीमों ने सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई किया है, जो रविवार, 21 तारीख को आयोजित होगा। क्वालिफाई करने वाली टीमें हैं जिरावला सुपर जायंट्स, मुनोत सनराइजर्स, मुनोत सुपर किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बालर्स। सेमीफाइनल मुकाबले बेहद रोमांचक होने वाले हैं, क्योंकि ये चारों मजबूत टीमें फाइनल में जगह बनाने के लिए संघर्ष करेंगी। इनमें से केवल 2 टीमें फाइनल में पहुंचेंगी।

मंडल के अध्यक्ष सिद्धार्थ मुनोत एवं सचिव भरत श्रीश्रीमाल ने बताया कि स्पोर्ट्स कमेटी के सदस्य अनिल, मनीष, कुणाल, संजय, राहुल और पंकज ने टूर्नामेंट के सफल आयोजन में सराहनीय योगदान दिया है।

इस अवसर पर एसएसजेवाईएम के मजबूत स्तंभ एवं पूर्व अध्यक्ष राजू सांकलचा, मुकेश मुनोत, ललित मुनोत, जयंतीलाल कांकरिया और अनिल जिरावला भी उपस्थित रहे और सभी टीमों का उत्साहवर्धन किया।

बैकस्टेज सिब्लिंग्स लाइव

'चलो जैम करें, चलो वाइब करें' में उमड़ा जन सैलाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री अग्रवाल समाज (मद्रास) द्वारा आयोजित बैकस्टेज सिब्लिंग्स लाइव-चलो जैम करें! चलो वाइब करें। का आयोजन नीलांगरि स्थित आर. के. कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं गणेश वन्दना के साथ की गई। अग्रवाल समाज (मद्रास) के अध्यक्ष सावरमल खेमका ने स्वागत भाषण में उपस्थित समाज के गणमान्य व्यक्तियों एवं दर्शकों का स्वागत किया। इसके साथ-साथ समाज की चारों सहयोगी संस्थाओं का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि समाज अपना सफलतापूर्वक 30 वाँ वर्ष मना रहा है, यह हमारे लिए बहुत गौरव की बात है। इस कार्यक्रम में समाज सदस्य निर्देशिका का विमोचन अध्यक्ष सावरमल खेमका, निर्देशिका चेयरपर्सन उर्मिला सराफ, महासचिव पराशर लोहिया, एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया है। इस निर्देशिका की सभी ने बहुत सराहना की।

इस आयोजन में मुख्य कलाकार बैक स्टेज सिब्लिंग्स के नाम से प्रसिद्ध भाई बहन की लोकप्रिय संगीतमय जोड़ी 'राघव और प्राची' ने प्रस्तुति दी। अपने इंटेरेक्टिव और सामुदायिक जैम सेशन्स के लिए मशहुर यह जोड़ी ने संगीत के माध्यम से लोगों को खुब आनन्दित किया। इन्होंने ने अपनी टीम के साथ मिलकर एक से बढ़कर एक मधुर संगीतमय भजनों की प्रस्तुति दी, जिसका सभी दर्शकों ने आनन्द लिया।

इस अवसर श्रवणकुमार तोदी, सुरेन्द्र कुमार केडिया, सज्जन कुमार रूंगटा, मनोहरलाल बगडिया, मुरारीलाल सौंथालिया, उर्मिला सरॉफ, विवेक अग्रवाल, राजेन्द्र कुमार जालान, हरीश लोहिया, मुकेश कुमार गुप्ता एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अन्त में धन्यवाद ज्ञापन समाज के महासचिव पराशर लोहिया ने दिया।

आशीर्वाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर स्थानकवासी जैन संघ के सचिव धर्मेन्द्र श्रीश्रीमाल, कोषाध्यक्ष शांतिलाल भंसाली कार्यकारिणी सदस्य राजेश गोलेछा एवं एस एस एस जैन ट्रस्ट के ट्रस्टी राजेश कुमार गादिया आदि ने गुरुवार को बेंगलुरु के गांधीनगर स्थित तुरकिया भवन के विराजित महासती पूज्या श्री ऋद्धिश्रीजी एवं श्री सिद्धि श्री के दर्शन वंदन का लाभ भक्तों ने लिया।

एसपीआर सिटी जैन संघ को मिला चातुर्मास का सौभाग्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री एसपीआर सिटी श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ में आचार्यश्री तीर्थभद्रसूरिश्वरजी म.सा. के शिष्य मुनिश्री तीर्थवल्लभ विजयजी म.सा. एवं साध्वी पूर्णश्रेयाश्रीजी म.सा. का आगामी चातुर्मास एसपीआर सिटी में सम्पन्न होगा। यह घोषणा गुरुवार को आचार्य भगवंत की पावन निश्रा में मनोहराबाद (हैदराबाद) में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जय बुलाकर की गई। चातुर्मास की घोषणा होते ही संघ के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं में हर्ष और उत्साह का वातावरण छा गया। संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने इसे परम सौभाग्य बताते हुए कहा कि साधु-साध्वी भगवंतों के चातुर्मास से क्षेत्र में धर्म, आराधना, स्वाध्याय एवं संस्कारों की प्रभावना को नई दिशा मिलेगी। आगामी चातुर्मास के दौरान विविध धार्मिक, आध्यात्मिक एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिससे बड़ी संख्या में श्रद्धालु लाभान्वित होंगे।

उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

करूर वैश्य बैंक (केवीबी) ने अपनी प्रमुख पर्यावरण स्थिरता पहल 'केवीबी भूमि' के तहत, तांबरम नगर निगम के साथ साझेदारी में, मुल्लाई नगर, तांबरम में स्पंज पार्क का शुभारंभ किया। उद्घाटन समारोह में तमिलनाडु सरकार के माननीय मानव संसाधन प्रबंधन मंत्री डी. सरथकुमार, तांबरम नगर निगम के आयुक्त एस. बालाचंदर, आईएएस और करूर वैश्य बैंक के कार्यकारी निदेशक बी. शंकर, साथ ही बैंक और नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

डॉ. अग्रवाल आई हॉस्पिटल ने गुड़वंचेरी में नए शाखा का शुभारंभ किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। देश की सबसे भरोसेमंद नेत्र देखभाल श्रृंखलाओं में से एक, डॉ. अग्रवाल आई हॉस्पिटल ने चेन्नई के उपनगर गुडुवनचेरी में अपने नए अत्याधुनिक नेत्र अस्पताल का शुभारंभ किया है। अस्पताल द्वारा यह उन्नत नेत्र देखभाल तक पहुंच को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। राज्य में यह समूह का 89वां अस्पताल है। इस अस्पताल में उन्नत मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, अत्याधुनिक निदान उपकरण, एक पूर्णतः एकीकृत ऑप्टिकल और फार्मेसी अनुभाग मौजूद हैं, रोगियों की सुविधा को बढ़ाने के लिए इसे शांत और सुखद वातावरण में बनाया गया है। अस्पताल की एक प्रमुख विशेषता इसकी व्यूइंग गैलरी है, जो रोगियों और देखभाल करने वालों को उपचार प्रक्रिया के हर चरण में आत्मविश्वास का अनुभव करने में सक्षम बनाती है। अस्पताल की क्लिनिकल टीम का नेतृत्व वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अर्जुन डी करेंगे। नए अस्पताल का उद्घाटन डॉ. अग्रवाल ग्रुप ऑफ आई हॉस्पिटल्स की निदेशक डॉ. अथिया अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर डॉ. अग्रवाल आई हॉस्पिटल के वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञ क्षेत्रीय प्रमुख क्लिनिकल सर्विसेज डॉ. श्रीनिवासन जी राव, जोनल प्रमुख क्लिनिकल सर्विसेज डॉ. कलादेवी सतीश वरिष्ठ उपाध्यक्ष ऑपरेशंस नंद कुमार उपस्थित थे।

आइओबी ने एफसीएनआर कि जमा दरों में वृद्धि की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। इंडियनओवरसीज बैंक (आइओबी) ने अपने एफसीएनआर (बी) जमा की ब्याज दरों को संशोधित करते हुए एक नया स्पेशल एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट स्कीम की शुरुआत की है। इस योजना के तहत एनआरआइ को अमेरिकी डॉलर जमा पर तीन से पांच वर्ष की अवधि के लिए 6.50 प्रतिशत वार्षिक ब्याज प्राप्त होगा जो वर्तमान बाजार में सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी दरों में से एक है। नई दरें 15 जून से लागू हुई हैं। नियमित एफसीएनआर (बी) डॉलर जमा पर अब 1 वर्ष के लिए 5.00 प्रतिशत, 1-2 वर्ष के लिए 4.50 प्रतिशत, 2-3 वर्ष के लिए 3.20 प्रतिशत और 3-5 वर्ष तक के लिए 3.15 प्रतिशत ब्याज प्राप्त होगा। संशोधित दरों की घोषणा के अवसर पर बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि विदेश में रहने वाले भारतीयों के लिए अपनी बचत को घर लाने का यह एक अच्छा अवसर है, जिससे उन्हें अच्छा लाभ मिले और मुद्रा के उतार-चढ़ाव से भी वे सुरक्षित रहें।

पाठ्य सामग्री वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई के महावीर जैन ग्रुप द्वारा आलथुर स्थित उधवुम ननबरगल स्कूल के विद्यार्थियों के लिए पाठ्य सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को टेक्स्टबुक, नोटबुक, स्कूल बैग एवं खिलौनों का वितरण किया गया।

साथ ही विद्यालय के शिक्षकों को टिफिन बॉक्स एवं वाटर बॉटल भेंट स्वरूप प्रदान किए गए।

इस सेवा कार्य के मुख्य प्रायोजकों में शांतिलाल जैन, प्रवीण टाटिया, अशोक मेहता, जीएमएसएस की ओर से नोटबुक प्रायोजक, स्कूल बैग्स अशोक एवं माला गुप्ता, सुनीता मेहता, अनिता पठानी, श्रीपाल, सुरेश रहे सभी प्रायोजकों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य हेतु इस सेवा कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

एमआरएफ को एफआईए से थ्री-स्टार पर्यावरण मान्यता प्राप्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एमआरएफ लिमिटेड को एफआईए से थ्री स्टार पर्यावरण मान्यता प्राप्त हुआ है। यह प्रतिष्ठित मान्यता कंपनी की स्थिरता तथा वैश्विक मोटरस्पोर्ट में इसकी निरंतर उपस्थिति में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। थ्री स्टार पर्यावरण का प्रमाणन एफआईए प्रत्यायन ढांचे के तहत किए गए ऑडिट के बाद दिया गया है। एफआईए ऑडिट में एमआरएफ द्वारा मोटरस्पोर्ट टायर संचालन में पर्यावरण प्रबंधन, निरंतर सुधार और जिम्मेदार विनिर्माण प्रथाओं के लिए अपनाए गए सुव्यवस्थित दृष्टिकोण को मान्यता दी गई।

इस उपलब्धि पर एमआरएफ लिमिटेड के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अरुण मम्मेन ने कहा कि एमआरएफ की वैश्विक मोटरस्पोर्ट यात्रा प्रदर्शन और जिम्मेदारी से प्रेरित है। एफआईए द्वारा प्राप्त यह थ्री-स्टार मान्यता सतत नवाचार, पर्यावरण संरक्षण और विश्व भर में हमारे संचालन में निरंतर सुधार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। इस प्रमाण के साथ एमआरएफ एकमात्र भारतीय टायर कंपनी बन गई है साथ ही यह वैश्विक मोटरस्पोर्ट टायर निर्माताओं के चुनिंदा समूह में शामिल हो गया है, जिन्हें एफआईए की सर्वोच्च पर्यावरणीय मान्यता प्राप्त हुई है।

एमआरएफ अपने विनिर्माण केंद्रों पर मोटरस्पोर्ट टायरों का निर्माण करती है, जो प्रमाणित हैं। आईएसओ 14001:2015 पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली ऑडिट में यह भी पाया गया कि ये विनिर्माण स्थल मानकों का पालन करते हैं इसके साथ ही आईएसओ 50001 ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली प्रमाणन ऑडिट में एमआरएफ के विनिर्माण स्थलों पर स्मार्ट पर्यावरणीय उद्देश्यों को भी मान्यता दी गई।

निष्ठा ही प्रभु के प्रति सच्ची प्रतिष्ठा है : आचार्य कुलबोधिसूरिश्वरजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां कोंडितोप स्थित प्रिंस रत्नपुरी जैन संघ में आगामी पद्मनाभ स्वामी प्रतिष्ठा एवं अंजनशलाका महोत्सव के उपलक्ष्य में गुरुवार को आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी म.सा. आदि श्रमण-श्रमणीवृंद का भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर गुरु भगवंत का स्वागत किया। अपने ओजस्वी एवं प्रेरणादायी संबोधन में आचार्यश्री ने कहा कि साढ़े तीन करोड़ श्लोकों के रचयिता आचार्य हेमचंद्राचार्य जैसे महान ज्ञानी भी कलियुग को नमस्कार करते हैं। उन्होंने कहा कि आज के युग में जहां पुत्र माता-पिता को वृद्धाश्रम भेज रहे हैं, छोटी-छोटी बातों पर तलाक हो रहे हैं, विवाहेतर संबंध, नशा और मांसाहार जैसी प्रवृत्तियां बढ़ रही हैं, वहीं इस कलियुग का सबसे बड़ा सौभाग्य यह है कि हमें प्रभु की प्राप्ति हुई है और उनके दर्शन का अवसर मिला है। आचार्यश्री ने कहा कि प्रभु के दर्शन से मनुष्य का रोम-रोम पुलकित हो उठता है। रत्नपुरी में विराजने वाले पद्मनाभ प्रभु अंजनशलाका के पश्चात केवल प्रतिमा नहीं, बल्कि साक्षात परमात्मा स्वरूप बन जाएंगे। इसलिए वह कलियुग भी सतयुग से श्रेष्ठ है, जिसमें प्रभु के दर्शन और उनकी भक्ति का अवसर प्राप्त हो।

चमत्कार की महिमा का वर्णन करते हुए आचार्यश्री ने कहा कि जहां चमत्कार है, वहां नमस्कार है। दुःख और संकट के समय यदि व्यक्ति प्रभु की ओर दौड़ता है तो यह केवल आकर्षण नहीं, बल्कि आत्मीय संबंध की अभिव्यक्ति है। जिसके पक्ष में प्रभु स्वयं खड़े होते हैं, उसके जीवन में पराजय का कोई स्थान नहीं रहता। आचार्य भगवंत ने बताया कि रत्नपुरी में मूलनायक के रूप में प्रतिष्ठित होने वाले पद्मनाभ स्वामी का यह स्वरूप देश में अपने प्रकार का एक विशिष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि परमात्मा अच्छे हैं, इसमें कोई संदेह नहीं, किंतु उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि क्या वे हमें अपने लगते हैं। उन्होंने जानकारी दी कि 22 जून को परमात्मा का च्यवन एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न होंगे, जिसके पश्चात जन्मोत्सव और प्रतिष्ठा महोत्सव के विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे प्रभु-भक्ति की रमझट में पूरे उत्साह और उल्लास के साथ सहभागी बनें। अंत में आचार्यश्री ने कहा कि मंदिर और प्रतिमा का आकार नहीं, बल्कि भक्तों के भावों की ऊंचाई महत्वपूर्ण होती है। रत्नपुरी संघ के श्रद्धालुओं के उत्कृष्ट भावों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि प्रभु के प्रति अटूट श्रद्धा, आत्मीयता और निष्ठा ही जीवन को सफल और मंगलमय बनाती है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.